दक्ष®

10 अगस्त 2022 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

REET Mains Exam.

अध्यापक सीधी भर्ती

Grade-3rd
Level-2
(कक्षा 6 से 8)

No.1

संस्कृत

15

प्रैक्टिस पेपर्स

(सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित)

2250 परीक्षा उपयोगी अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- कम समय में निश्चित सफलता हेतु एकमात्र प्रैक्टिस पेपर
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण पर आधारित प्रैक्टिस पेपर
- पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का महत्व के अनुसार समावेश

Buy Online at : WWW.DAKSHBOOKS.COM

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

पाठ्यक्रम

राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा

Teacher (Grade-III)

Level-II (for Class 6 to 8)

• राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान, राजस्थानी भाषा •

[Geographical, Historical and Cultural Knowledge of Rajasthan, Rajasthani Language]

भूगोल

- राजस्थान का भौगोलिक स्वरूप
- मानसून तंत्र एवं जलवायु
- अपवाह तंत्र—झीलें, नदियाँ, बाँध, एनीकट, जल संरक्षण विधियाँ एवं तकनीकियाँ
- राजस्थान की वन-संपदा
- वन्य जीव-जन्तु, वन्य जीव संरक्षण एवं अभयारण्य
- मृदाएँ एवं मृदा संरक्षण
- राजस्थान की प्रमुख फसलें
- जनसंख्या, जनसंख्या-घनत्व, साक्षरता और लिंगानुपात
- राजस्थान की जनजातियाँ एवं जनजातीय क्षेत्र
- धात्विक एवं अधात्विक खनिज
- राजस्थान के ऊर्जा संसाधनः परम्परागत एवं गैर-परम्परागत
- राजस्थान के पर्यटन स्थल
- राजस्थान में यातायात के साधन

इतिहास एवं संस्कृति

- राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँः कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ इत्यादि।
- राजस्थान की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ, प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था इत्यादि
- राजस्थान की स्थापत्य कलाः किले, स्मारक, बावड़ी एवं हवेलियाँ इत्यादि
- राजस्थान के मेले, त्योहार, लोक कला, लोक संगीत, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य
- राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा एवं विरासत
- राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, प्रमुख संत एवं लोक देवता
- राजस्थान के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व
- राजस्थान के वस्त्र एवं आभूषण
- राजस्थान की चित्रकलाएँ एवं हस्तशिल्प
- 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति एवं किसान आंदोलन
- प्रजामण्डल एवं राजस्थान का एकीकरण

राजस्थानी भाषा

- राजस्थान की क्षेत्रीय बोलियाँ
- प्रमुख राजस्थानी कृतियाँ
- प्रमुख राजस्थानी साहित्यकार
- राजस्थानी संत साहित्य एवं लोक साहित्य

• राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय •

[General Knowledge of Rajasthan, Educational Scenario, Right of Children to free & Compulsory Education Act and Current Affairs]

राजस्थान का सामान्य ज्ञान

- राजस्थान के प्रतीक चिह्न
- राजस्थान में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएँ
- राजस्थान के प्रमुख अनुसंधान केन्द्र
- राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थल
- राजस्थान के प्रमुख खिलाड़ी
- राजस्थान के प्रसिद्ध नगर एवं स्थल
- राजस्थान के प्रमुख उद्योग
- राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था
- राजस्थान में जन कल्याणकारी योजनाएँ

शैक्षिक परिदृश्य

- शिक्षण अधिगम के नवाचार
- राज्य में केन्द्र एवं राजस्थान सरकार की विद्यार्थी कल्याणकारी योजनाएँ एवं पुरस्कार
- विद्यालय प्रबंधन एवं सम्बन्धित समितियाँ
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में)

राजस्थानी निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम

- निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009
- राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम-2011
- राजस्थान के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश

सामयिक विषय

- राजस्थान की सम-सामयिक घटनाएँ।
- राज्य की अभिनव विकास योजनाएँ एवं क्रियान्विति।
- अन्य सम-सामयिक विषय।

Section-'III' • विद्यालय विषय • संस्कृत • Marks-120

- संज्ञाप्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः- इत् संज्ञा, संहिता, सवर्णम्, उदात्तः, अनुदात्तः, स्वरितः, उच्चारणस्थानानि।
- प्रत्ययप्रकरणम् - कृदन्त प्रकरणम्, तद्धित प्रकरणम्, स्त्री प्रकरणम्।
- संधिः।
- समासाः।
- निम्नलिखितानां शब्दरूपाणां ज्ञानम्- राम, हरि, गुरू, मति, रमा, वारि, अस्मद्, युष्मद्।
- निम्नलिखितानां धातुरूपाणां ज्ञानम्- भू, एध् (लट् लकार, लृट् लकार, लङ् लकार, लोट् लकार, विधिलिङ् लकार)।
- अव्ययानां प्रयोगः।
- उपसर्गाः।
- कारकप्रकरणम्।
- हिन्दीवाक्यानां संस्कृतानुवादः।
- कारक-प्रत्यय-समास-आधारितवाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनम्।
- संस्कृतसाहित्येतिहास-सम्बन्धि-सामान्यपरिचयात्मक-प्रश्नाः-

  लौकिकसाहित्यम्- रामायणम्, महाभारतम्।

  महाकाव्यकवयः- कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः।

  दृश्यकाव्यकवयः- भासः, भवभूतिः, शूद्रकः।

Section-'IV' • शैक्षणिक रीति विज्ञान • संस्कृत • Marks-20

- संस्कृत भाषा- शिक्षण विधयः
- संस्कृतभाषा- शिक्षण सिद्धान्ताः
- संस्कृत शिक्षणाभिरुचिप्रश्नाः
- संस्कृत भाषाकौशलस्य विकासः (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)
- संस्कृतशिक्षणे- अधिगमसाधनानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्यसाधनानि, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि।
- संस्कृतभाषाशिक्षणस्य मूल्यांकन-सम्बन्धित प्रश्नाः
- मौखिक- लिखितप्रश्नानां प्रकाराः, सततमूल्यांकनम्, उपचारात्मक-शिक्षणम्।

Section-'IV' • शैक्षणिक मनोविज्ञान • Marks-20

- **शैक्षिक मनोविज्ञान :** अर्थ, क्षेत्र एवं कार्य
- **बाल विकास :** अर्थ, बाल विकास के सिद्धान्त एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक
- **बाल विकास में वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव**
- **व्यक्तित्व :** संकल्पना, प्रकार, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक और व्यक्तित्व मापन
- **बुद्धि :** संकल्पना, विभिन्न बुद्धि सिद्धान्त एवं मापन
- **अधिगम का अर्थ एवं अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक**
- **अधिगम के विभिन्न सिद्धान्त**
- **अधिगम की विभिन्न प्रक्रियाएँ**
- **विविध अधिगमकर्ता के प्रकार :** पिछड़े, विमंदित, प्रतिभाशाली, सर्जनशील, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी इत्यादि।
- **अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ**
- **अभिप्रेरणा एवं अधिगम में इसका प्रभाव**
- **समायोजन की संकल्पना, तरीके एवं समायोजन में अध्यापक की भूमिका**

Section-'V' • सूचना तकनीकी • Marks-10

- **सूचना प्रौद्योगिकी के आधार**
- **सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण (टूल्स)**
- **सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग**
- **सूचना प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभाव**

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय (कक्षा 6 से 8 तक के लिए) परीक्षा

प्रैक्टिस पेपर-1

गत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के कठिनाई एवं प्रश्नों की संख्या के स्तरानुसार जिस टॉपिक पर जितने प्रश्न पूछे गए हैं उन्हीं के अनुरूप ये सभी प्रैक्टिस पेपर बनाए गए हैं। इनको पढ़कर विद्यार्थी अपनी सफलता सुनिश्चित करें।

कुल प्रश्न : 150 **समय : 150 मिनट** **कुल अंक : 300**

प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः [A], [B], [C], [D] अंकित किया गया है।
अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
प्रत्येक गलत उत्तर का प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर या किसी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।

प्रश्न : 40 राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा अंक : 80

1. सीकर व झुंझुनूं जिलों में कांतली नदी के अपवाह क्षेत्र को कहा जाता है?
(A) तोरावाटी (B) शेखावाटी
(C) बीड़ (D) मेरवाड़ा **[A]**
व्याख्या—**तोरावाटी**—सीकर व झुंझुनूं जिलों में कांतली नदी का अपवाह क्षेत्र।
शेखावाटी—मुख्यतः सीकर-झुंझुनूं-चूरू जिलों का क्षेत्र।
बीड़—चारागाह भूमियाँ।
मेरवाड़ा—अजमेर तथा राजसमंद का मेर जनजाति बाहुल्य क्षेत्र।

2. राजस्थान का अधिकांश भाग किस जलवायु कटिबन्ध में स्थित है?
(A) शीत कटिबंध (B) शीतोष्ण कटिबंध
(C) उष्ण कटिबंध (D) उप-आर्द्र कटिबंध **[B]**
व्याख्या—अक्षांशीय स्थिति जलवायु का प्रमुख नियंत्रण तत्व है। राजस्थान 23°3' से 30°12' उत्तरी अक्षांशों के मध्य स्थित है। 23½° उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा) राज्य के दक्षिणी हिस्सों डूँगरपुर-बाँसवाड़ा जिलों से गुजरती है। अतः राज्य का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबंध में स्थित है। लेकिन उत्तर में हिमालय की अवस्थिति के कारण यहाँ ठण्डी हवाओं का प्रभाव नहीं पड़ता और अक्षांशीय दृष्टिकोण से अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबंध में होने के बावजूद जलवायु उष्ण बनी रहती है। उष्ण कटिबंधीय जलवायु के साथ न्यून वर्षा ने यहाँ के अधिकांश भागों में शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु की दशाएँ उत्पन्न की है।

3. अक्टूबर 2021 में राजस्थान की पाँचवी बाघ संरक्षण परियोजना घोषित की गई?
(A) कुम्भलगढ़ (B) रामगढ़ विषधारी
(C) मुकन्दरा हिल्स (D) रणथम्भौर **[A]**
व्याख्या—वर्तमान में राजस्थान में 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत 5 टाइगर रिजर्व स्थापित किए गए है—
1. रणथम्भौर टाइगर रिजर्व – 1973-74 में स्थापित
2. सरिस्का टाइगर रिजर्व – 1978-79 में स्थापित
3. मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व – 2013 में स्थापित
4. रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व – जुलाई 2021 में स्थापित
5. कुम्भलगढ़ टाइगर रिजर्व – अक्टूबर 2021 में स्थापित

4. आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार राज्य में कुल घोषित वन क्षेत्र है?
(A) 28,711.46 वर्ग किमी. (B) 32,864.62 वर्ग किमी.
(C) 33452.75 वर्ग किमी. (D) 34,311.92 वर्ग किमी. **[B]**
व्याख्या—आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार राज्य में कुल घोषित वन क्षेत्र 32,864.62 वर्ग किमी. है जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 9.60 प्रतिशत है।

5. राजस्थान का सबसे बड़ा सोडियम सल्फेट संयंत्र किस झील पर लगाया गया है?
(A) सांभर झील (B) डीडवाना झील
(C) पचपद्रा झील (D) लूणकरणसर झील **[B]**
व्याख्या—नागौर जिलें में डीडवाना कस्बे के निकट खारे पानी की डीडवाना झील 4 किमी. की लंबाई में फैली है। यहाँ राज्य का सबसे बड़ा सोडियम सल्फेट संयंत्र है। जिसमें औद्योगिक नमक का उत्पादन होता है। सल्फेट के कारण यहाँ का नमक खाने योग्य नहीं होता है।

6. निम्नलिखित में से किस नदी पर जाखम बाँध का निर्माण किया गया है?
(A) जाखम नदी (B) परवन नदी
(C) चम्बल नदी (D) जवाई नदी **[A]**
व्याख्या—जाखम नदी का निर्माण प्रतापगढ़ जिले के अनूपपुरा के पास जाखम नदी पर टी.एस.पी. जनजाति उपयोजना के अंतर्गत किया गया है। यह राजस्थान का सबसे ऊँचा बाँध (81 मीटर) है। यहाँ एक जलविद्युत गृह भी निर्मित किया गया है।

7. चम्बल में दाँयी ओर से मिलने वाली सहायक नदी है?
(A) पार्वती (B) कालीसिंध
(C) बनास (D) मेज **[B]**
व्याख्या—चम्बल की प्रमुख सहायक नदियाँ कालीसिंध, पार्वती, ब्राह्मणी, मेज, बनास, कुराल, चाकण, ईज एवं आलनियाँ है। कालीसिंध का उद्गम स्थल बागली गाँव देवास (मध्य प्रदेश) के निकट विंध्याचल पर्वत है तथा झालावाड़ एवं बारां जिले में बहती हुई नानेरा (कोटा) के निकट चम्बल में मिल जाती है। यह चम्बल में दाँयी ओर से मिलने वाली सबसे लंबी सहायक नदी है। पार्वती नदी सिहोर (मध्य प्रदेश) से निकलकर बारां जिले में बहती हुई सवाईमाधोपुर जिले में पालिया के निकट चम्बल में मिल जाती है। ईज नदी भैंसरोड़गढ़ से निकलकर डाबी (बूँदी) में चम्बल में मिलती है।

8. राजस्थान के किन जिलों में लाल-लोमी मृदा पायी जाती है?
(A) डूँगरपुर, बांसवाड़ा एवं उदयपुर
(B) सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, अजमेर एवं सिरोही
(C) भरतपुर, धौलपुर, दौसा एवं जयपुर
(D) कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़ **[A]**
व्याख्या—लाल-लोमी मृदा डूँगरपुर, बांसवाड़ा एवं उदयपुर जिले के मध्य व दक्षिणी भाग में विस्तृत है। इसमें लौह ऑक्साइड व पोटाश की अधिकता होती है। इस मिट्टी में मक्का, चावल, गन्ना आदि की खेती होती है।

9. राजस्थान भारत के सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या वाले राज्यों में कौनसे स्थान पर है?
(A) पहले (B) दूसरे (C) तीसरे (D) चौथे **[D]**
व्याख्या—राजस्थान भारत के सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या वाले राज्यों में चौथे स्थान पर है। राज्य में 2011 की जनगणना के अनुसार 9,238534 अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या निवास करती है। राज्य में अनुसूचित जनजाति राज्य की कुल जनसंख्या का 13.48% है। कुल जनजाति जनसंख्या का 94.6% भाग ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है।

10. राजस्थान में वर्ष 2021-22 में कृषि क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन (G.S.V.A.) में योगदान (स्थिर मूल्यों पर) रहा?
(A) 23.67% (B) 26.16%
(C) 28.85% (D) 30.23% **[C]**
व्याख्या—वर्ष 2021-22 में कृषि क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन (G.S.V.A.) में स्थिर मूल्यों (2011-12) पर योगदान 28.85 प्रतिशत रहा। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का G.S.V.A. स्थिर मूल्यों (2011-12) पर वर्ष 2017-18 में 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 1.95 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो कि 6.97% की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है।

11. राजस्थान पर्यटन नीति 2020 की अनुपालना में गेस्ट हाउस स्कीम 2021 किस तिथि को लागू की गई?
(A) 11 फरवरी, 2021 (B) 16 अप्रैल, 2021
(C) 27 सितम्बर, 2021 (D) 21 अक्टूबर, 2021 **[B]**
व्याख्या—राजस्थान पर्यटन नीति 2020 की अनुपालना में 16 अप्रैल, 2021 से गेस्ट हाउस स्कीम 2021 लागू की गई।

12. राजस्थान में दिसम्बर 2021 तक ऊर्जा की अधिष्ठापित क्षमता कितनी मेगावॉट है?
(A) 21077.64 मेगावॉट (B) 21175.90 मेगावॉट
(C) 21978.90 मेगावॉट (D) 23321.40 मेगावॉट **[D]**
व्याख्या—राज्य में मार्च 2021 तक ऊर्जा की अधिष्ठापित क्षमता 21979 मेगावॉट थी। अधिष्ठापित क्षमता में वर्ष 2021-22 में दिसम्बर 2021 तक 1342.50 मेगावॉट की वृद्धि हुई। इस प्रकार दिसम्बर 2021 तक अधिष्ठापित क्षमता बढ़कर 23321.40 मेगावॉट हो गई है।

13. राजस्थान में सड़कों की सर्वाधिक लम्बाई वाला जिला कौनसा है?
(A) धौलपुर (B) बाड़मेर (C) बीकानेर (D) जयपुर **[B]**
व्याख्या—राजस्थान में सड़कों की सर्वाधिक लम्बाई बाड़मेर जिले में तथा सड़कों की न्यूनतम लम्बाई धौलपुर में है।

14. राजस्थान में 2011 में राज्य के औसत लिंगानुपात से कम लिंगानुपात रखने वाले कितने जिले हैं। (राज्य का औसत लिंगानुपात 928 है)—
(A) 12 (B) 13 (C) 18 (D) 15 **[D]**
व्याख्या—जनगणना-2011 के अनुसार राजस्थान का लिंगानुपात 928 है। राज्य के औसत लिंगानुपात (928) से कम लिंगानुपात रखने वाले 15 जिले (गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, बूँदी एवं कोटा) है।

15. बैराठ में जो पुरातात्विक अवशेष मिले हैं, वे किस काल से सम्बन्धित है?
(A) मौर्यकाल (B) गुप्तकाल
(C) मध्यकाल (D) उत्तर-गुप्त काल **[A]**
व्याख्या— बैराठ या विराटनगर, (जयपुर) में सर्वप्रथम दयाराम साहनी के नेतृत्व में खुदाई की गई। यहाँ से पूर्व मौर्यकालीन एवं मौर्यकालीन सभ्यता के अवशेष मिले हैं।

16. ग्यारह कमरों वाला विशाल भवन राजस्थान के किस सभ्यता स्थल में पाया गया है?
(A) कालीबंगा (B) आहड
(C) बालाथल (D) बैराठ **[C]**
व्याख्या— बालाथल (वल्लभ नगर-उदयपुर) सभ्यता की खोज 1962-63 में डॉ. वी.एन. मिश्र ने की थी। यहाँ उत्खनन कार्य 1993 ई. में डॉ. वी.एन. मिश्र के निर्देशन में किया गया। बालाथल के उत्खनन से वहाँ एक विशाल भवन के अवशेष मिले हैं, जिसमें 11 कमरे विद्यमान है इसका निर्माण संभवतः ताम्रपाषाण काल में हुआ है। यहाँ एक टीले के उत्खनन से ताम्र-पाषाणकालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

17. आठवीं से दसवीं शताब्दी तक राजस्थान में किस राजपूत वंश का वर्चस्व रहा?
(A) चावड़ वंश का (B) प्रतिहार वंश का
(C) भाटी वंश का (D) परमार वंश का **[B]**
व्याख्या—मुहणोत नैणसी ने गुर्जर प्रतिहारों की 26 शाखाओं का उल्लेख किया है। इनमें गुर्जर प्रतिहारों की मण्डोर शाखा सबसे प्राचीन और महत्त्वपूर्ण थी। हरिश्चन्द्र इस शाखा का संस्थापक एवं गुरु था। घटियाला शिलालेखों (837 ई. तथा 861 ई.) के अनुसार हरिश्चन्द्र के दो पत्नियाँ थी एक ब्राह्मण तथा दूसरी क्षत्राणी। क्षत्राणी पत्नी का नाम भद्रा था, हरिश्चन्द्र को भद्रा से चार पुत्र हुए—भोगभट्ट, कदक, रज्जिल और दह, इन चारों ने मिलकर मण्डोर (माण्डव्यपुर) को जीत लिया और उसकी सुरक्षा के लिए प्राचीरों का निर्माण करवाया।

18. हम्मीर ने सुल्तान अल्लाउद्दीन खिलजी के किस विद्रोही सेनापति को रणथम्भौर दुर्ग में शरण दी थी?
(A) अमीर खाँ (B) मीर अलाबन्दे खाँ
(C) मीर जुबेर खाँ (D) मीर मुहम्मद शाह **[D]**
व्याख्या—हम्मीरदेव चौहान रणथम्भौर का शासक 1282 ई. में बना। राणा हम्मीर ने दिल्ली के शासक अलाउद्दीन खिलजी के विद्रोही मंगोल सेनानायको मुहम्मदशाह, इल्चक, कमरु एवं बर्क को शरण दी तथा लौटाने से इंकार कर दिया। इससे नाराज अलाउद्दीन ने 1303 ई. में रणथम्भौर पर आक्रमण कर हम्मीर देव को परास्त किया।

19. मेवाड़ राज्य के सामतों की श्रेणी कहलाती थी?
(A) कोटड़ी (B) उमराव
(C) जीवणी (D) हजूरथी **[B]**
व्याख्या—मेवाड़ में सामंतों की तीन श्रेणियाँ थी, जिन्हें 'उमराव' कहा जाता था—
1. प्रथम श्रेणी के उमराव—इनकी संख्या 16 थी।
2. दूसरी श्रेणी के उमराव—इनकी संख्या 32 थी।
3. तृतीय श्रेणी के उमराव—ये कई सौ संख्या में हुआ करते थे।

20. जलमहल किस झील के मध्य में स्थित है—
(A) मानसागर झील (B) कायलाना झील
(C) झील फाय सागर (D) आनासागर झील **[A]**
व्याख्या— जयपुर से आमेर जाने वाले सड़क मार्ग पर मानसागर झील के मध्य जलमहल स्थित है। जलमहल के निर्माण का श्रेय सवाई जयसिंह को दिया जाता है। सवाई प्रतापसिंह द्वारा प्रवर्धित यह महल स्थापत्य, शिल्प एवं सौन्दर्य के कारण आकर्षण का केन्द्र है।

21. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला 'कानन मेला' से सम्बन्धित है?
(A) टोंक (B) करौली (C) बाड़मेर (D) उदयपुर **[C]**
व्याख्या—कानन मेला राजस्थान के बाड़मेर जिले में कानन स्थान पर लगता है। यह मेला गैर नृत्य का प्रमुख आकर्षण है।

22. किस लोकनाट्य की प्रस्तुति के समय इसके मुख्य गीतों का सम्बन्ध चौमासा, वर्षा ऋतु का वर्णन एवं गणपति वन्दना से है?
(A) स्वांग (B) रम्मत (C) भवाई (D) नौटंकी **[B]**
व्याख्या—रम्मत का अर्थ खेल होता है, इसे खेलने वाले '**खेलार**' या '**रम्मतिये**' कहलाते हैं। रम्मतिये ऐतिहासिक, पौराणिक व प्रेमाख्यानों को काव्य रचना के रूप में प्रस्तुत करते हैं। रम्मतें **होली के अवसर पर** फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से चतुर्दशी तक **जैसलमेर, बीकानेर, पोकरण, फलौदी** क्षेत्रों में खेली जाती हैं। वाद्य यंत्र **नगाड़ा व ढोलक** प्रयुक्त होते हैं। रम्मत का मूल स्थान **जैसलमेर** माना जाता है।

23. निम्न में से कौनसा तत् वाद्य नहीं है?
(A) जंतर (B) रवाज़ (C) चौतारा (D) सतारा **[D]**
व्याख्या—प्रश्नगत दिये गये जंतर, रवाज़ तथा चौतारा तत् वाद्य है जिनमें तार लगे होते हैं तथा तारों के माध्यम से विभिन्न आवाजें निकाली जाती है। सतारा एक प्रकार का सुषिर वाद्य है जो हवा से फूँक देकर बजाया जाता है। सतारा अलगोजा, बाँसुरी तथा शहनाई का मिश्रित रूप है। इसमें अलगोजे की तरह दो लम्बी बाँसुरिया होती है।

24. मंदिर स्थापत्य की 'भूमिज शैली' किस स्थापत्य शैली की उपशैली है?
(A) नागर शैली (B) द्राविड़ शैली
(C) इण्डो पर्शियन शैली (D) बेसर शैली **[A]**
व्याख्या—मंदिर स्थापत्य के चरमोत्कर्षण के काल में मध्यप्रदेश तथा उत्तरी महाराष्ट्र में मंदिर निर्माण की नागर शैली के अंतर्गत एक विशिष्ट उपशैली का विकास हुआ जिसे भूमिज शैली का नाम दिया गया। इस शैली की विशेषता मुख्यतः उसके शिखर में परिलक्षित है। इसके शिखर के चारों ओर प्रमुख दिशाओं में एकान्डक शिखर की भाँति ऊपर से नीचे तक चैत्यमुख डिजाइन वाले जाल की पट्टियाँ होती है। राजस्थान में इस शैली का सबसे पुराना मंदिर सेवाड़ी का जैन मंदिर (पाली) है।

25. श्री अब्दुल गफूर खाँ, इम्तियाज अली तथा अब्दुल रजाक कुरैशी किस क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं—
(A) तारकशी (B) थेवा कार्य
(C) पीतल पर खुदाई (D) चमड़े पर पेन्टिंग **[C]**
व्याख्या—श्री अब्दुल गफूर खाँ, इम्तियाज अली तथा अब्दुल कुरैशी पीतल पर खुदाई हस्तकला क्षेत्र में प्रसिद्ध है। राजस्थान के जयपुर तथा अलवर में पीतल पर मीनाकारी का कार्य मुख्य रूप से होता है। पीतल के बर्तनों पर मुरादाबादी का काम भी जयपुर में किया जाता है। उदयपुर में सफेद मेटल के बड़े आकार के पशु-पक्षी, फर्नीचर आदि बड़े पैमाने पर बनते हैं तथा बालाहेड़ी (महुआ-दौसा) गाँव पीतल के ठप्पेदार बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है।

26. निम्न में से सिरोही प्रजामण्डल के संस्थापक कौन हैं?
(A) माणिक्य लाल वर्मा (B) अर्जुन लाल सेठी
(C) श्री गोकुल भाई भट्ट (D) कृष्णदत्त पालीवाल **[C]**
व्याख्या—'**जमनालाल बजाज**' पुरस्कार 1982 से सम्मानित श्री गोकुल भाई भट्ट ने 1972 से 1981 तक मद्य निषेध के लिए अथक प्रयास किया। सन् **1948 ई.** में **राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन** के **स्वागताध्यक्ष** भट्ट जी ने सिरोही राज्य में प्रजामण्डल की स्थापना की एवं राजपूताना प्रांतीय देशी राज्य प्रजा परिषद के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। **आबू का राजस्थान में विलय** इनके प्रयासों से हुआ।

27. राजस्थान के एकीकरण प्रक्रिया के समय मत्स्य संघ की वार्षिक आय कितनी थी?
(A) 184 लाख रुपए (B) 290 लाख रुपए
(C) 324 लाख रुपए (D) 26 लाख रुपए **[A]**
व्याख्या— अलवर, भरतपुर, धौलपुर व करौली सहित 4 रियासत व चीफशिप नीमराणा को मिलाकर 17 मार्च, 1948 को मत्स्य संघ का निर्माण किया गया। धौलपुर के महाराणा उदयभानसिंह को राजप्रमुख, करौली महाराजा गणेशपाल को उपराज प्रमुख तथा अलवर प्रजामण्डल के प्रमुख नेता शोभाराम को मत्स्य संघ का प्रधानमंत्री बनाया गया। मत्स्य संघ का क्षेत्रफल लगभग 12000 वर्ग किमी., जनसंख्या 18.38 लाख तथा वार्षिक आय 184 लाख रुपए थी।

28. आचार्य तुलसी ने 'अणुव्रत आन्दोलन' का सूत्रपात कब किया?
(A) 1942 ई. (B) 1949 ई.
(C) 1945 ई. (D) 1952 ई. **[B]**
व्याख्या— तेरापंथ के 9वें आचार्य श्री तुलसी का जन्म लाडनूँ (नागौर-राजस्थान) में हुआ। ग्यारह वर्ष की आयु में उन्होंने कालुग्रि से दीक्षा ग्रहण की। उन्होंने जैन आगम, न्याय, दर्शन आदि विषयों तथा संस्कृत प्राकृत, हिन्दी भाषा का ज्ञान प्राप्त किया। नैतिकता के उत्थान के लिए उन्होंने 1949 में अणुव्रत आन्दोलन का सूत्रपात किया। अणुव्रत का अर्थ है लघुव्रत।

29. सुमेलित कीजिए—

	सम्प्रदाय		प्रमुख पीठ (गद्दी)
(a)	गूदड सम्प्रदाय	I.	जोधपुर
(b)	नवल सम्प्रदाय	II.	दाँतडा (भीलवाड़ा)
(c)	चरणदासी सम्प्रदाय	III.	दिल्ली
(d)	अलखिया सम्प्रदाय	IV.	बीकानेर

कूट—	(a)	(b)	(c)	(d)	
(A)	I	II	III	IV	
(B)	II	I	III	IV	
(C)	II	III	I	IV	
(D)	I	IV	III	II	**[B]**

व्याख्या—

1. गूदड सम्प्रदाय — दाँतडा (भीलवाड़ा) - संतदासजी
2. नवल सम्प्रदाय — जोधपुर - नवलदास जी
3. चरणदासी सम्प्रदाय — दिल्ली - चरणदास जी
4. अलखिया सम्प्रदाय — बीकानेर - स्वामी लाल गिरी

30. देलवाड़ा स्थित 'आदिनाथ मंदिर' का निर्माण किसने करवाया?

(A) बघेला राजा कर्ण (B) विमलशाह
(C) चन्द्रगुप्त मौर्य (D) संप्रति **[B]**

व्याख्या—माउण्ट आबू सिरोही में देलवाड़ा के प्रसिद्ध जैन मंदिर है **यहाँ 5 मंदिरों** का समूह है। **आदिनाथ मंदिर**—भगवान ऋषभदेव के इस मंदिर का निर्माण गुजरात के चालुक्य राजा भीमदेव के मंत्री **विमलशाह** ने प्रसिद्ध शिल्पकार कीर्तिधर के निर्देशन में करवाया था। यह यहाँ का सबसे बड़ा व प्रसिद्ध मंदिर है जिसे विमलवसहि जैन मंदिर भी कहते है।

31. माधोसिंह व गोविन्द सिंह का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस किसान आन्दोलन से था—

(A) बिजौलिया किसान आन्दोलन
(B) मेवाड़ भील आन्दोलन
(C) बेगू किसान आन्दोलन
(D) अलवर किसान आन्दोलन **[D]**

व्याख्या—माधोसिंह व गोविन्द सिंह का सम्बन्ध अलवर किसान आन्दोलन से था। अलवर राज्य के किसान आन्दोलनों को तीन भागों में बाँटा गया है जिसमें नीमूचाणा हत्याकाण्ड, मेव आन्दोलन तथा प्रजामण्डल किसान आन्दोलन है। अक्टूबर, 1924 में माधोसिंह व गोविन्द सिंह के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारम्भ हुआ।

32. मारवाड़ में 'दामणी' क्या था?

(A) ओढ़नी का एक प्रकार (B) कलात्मक जूतियाँ
(C) एक राजस्व कर (D) सिंचाई करने का औजार **[A]**

व्याख्या—दामणी अथवा दामडी मारवाड़ क्षेत्र की महिलाओं द्वारा प्रयुक्त लाल रंग की ओढ़नी है जिसमें धागों से कसीदाकारी होती है।

33. कौनसा आभूषण नाक का आभूषण नहीं है—

(A) लौंग (B) नथ
(C) चोप (D) मांदलिया **[D]**

व्याख्या—बेसरी, नथ, चोप, जीधा, लोंग, फीणी, चूनी, लटकन, भंवरिया आदि महिलाओं के नाक के आभूषण हैं, जबकि मांदलिया आभूषण महिलाओं के गले में पहना जाता है।

34. 'चिडावा का गाँधी' किसे कहा गया है?

(A) सरदार हरलाल सिंह (B) सेठ घनश्याम दास बिड़ला
(C) मास्टर प्यारेलाल गुप्ता (D) राधाकृष्ण बोहरा **[C]**

व्याख्या— 1922 ई. में प्यारेलाल गुप्ता ने खेतड़ी ठिकाने के चिड़ावा कस्बे में अमर सेवा समिति की स्थापना की। उन्हें 'चिड़ावा के गांधी' के नाम से जाना जाता है।

35. मंदिरों और स्थानों के निम्नलिखित जोड़ों में से किस जोड़े का सही मिलान नहीं हुआ है?

(A) ओसियाँ मंदिर-जोधपुर (B) सालासर मंदिर-चूरू
(C) रणकपुर मंदिर-पाली (D) जगदीश मंदिर-भीलवाड़ा **[D]**

व्याख्या—

मंदिर	स्थान
ओसियाँ मंदिर —	जोधपुर
सालासर मंदिर —	चूरू
रणकपुर मंदिर —	पाली
जगदीश मंदिर —	उदयपुर

जगदीश मंदिर का निर्माण महाराणा जगतसिंह ने 1651 में उदयपुर में करवाया था। मंदिर में प्रतिष्ठापित चार हाथ वाली विष्णु की मूर्ति काले पत्थर से बनी है।

36. प्रतापगढ़, अजबगढ़, थानागाजी और बलदेव गढ़ में बोली जाने वाली भाषा है—

(A) नहेड़ा मेवाती (B) कठेर मेवाती
(C) भयाना मेवाती (D) आरेज मेवाती **[A]**

व्याख्या—राजस्थान की मेवाती बोली में कठेर मेवाती, भयाना मेवाती, आरेज मेवाती, नहेड़ा मेवाती, बीछेता मेवाती एवं खड़ी मेवाती बोलियों को सम्मिलित किया जाता है। नहेड़ा मेवाती बोली प्रतापगढ़, अजबगढ़, थानागाजी और बलदेवगढ़ क्षेत्रों में बोली जाती है। यह बोली जयपुरी बोली से अत्यधिक प्रभावित है।

37. 'मेवाड़ पुकार' 21 सूत्री माँग पत्र का सम्बन्ध किससे था?

(A) मोतीलाल तेजावत (B) माणिक्य लाल वर्मा
(C) विजय सिंह पथिक (D) साधु सीताराम दास **[A]**

व्याख्या—'आदिवासियों का मसीहा' (बावजी) कहे जाने वाले स्वतंत्रता सेनानी मोतीलाल तेजावत ने 1920 में चित्तौड़गढ़ स्थित 'मातृकुण्डिया' नामक स्थान पर 'एकी आन्दोलन' प्रारम्भ किया जिसके माध्यम से सर्वप्रथम भीलों में राजनैतिक जागृति पैदा हुई। इन्होंने भीलों पर होने वाले अत्याचारों से 21 माँगे जिन्हें 'मेवाड़ पुकार' कहा गया महाराणा की सेवार्थ प्रस्तुत की।

38. कायलाना झील कहाँ स्थित है?

(A) जोधपुर (B) उदयपुर
(C) सवाई माधोपुर (D) बीकानेर **[A]**

व्याख्या—जोधपुर राजपरिवार के सर प्रताप द्वारा निर्मित इस झील के किनारे माचिया सफारी मृगवन एवं वानस्पतिक मरु उद्यान के रूप में 'माचिया जैविक उद्यान' स्थापित है। इंदिरा गाँधी नहर से कायलाना झील में राजीव गाँधी लिफ्ट नहर के जरिए वॉटर सप्लाई किया जाता है। कायलाना झील से जोधपुर शहर को जलापूर्ति की जाती है।

39. वनस्थली विद्यापीठ से सम्बन्धित थी—

(A) रतन शास्त्री (B) महिमा देवी
(C) कस्तूरबा गाँधी (D) नारायणी देवी **[A]**

व्याख्या— वनस्थली विद्यापीठ (टोंक) की संचालिका श्रीमती रतन शास्त्री का जन्म मध्यप्रदेश में 15 अक्टूबर, 1912 को हुआ। इनका

विवाह शास्त्रीजी के साथ हुआ। 1929 में शास्त्रीजी द्वारा स्थापित 'जीवन कुटीर' में रतन शास्त्री एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ी तथा समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई।

40. 'पृथ्वीराज विजय' की रचना किसने की?

(A) जयानक (B) मलिक मोहम्मद जायसी (C) चन्दबरदाई (D) उक्त कोई नहीं। **[A]**

व्याख्या—पृथ्वीराज विजय एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है इसकी रचना कश्मीरी पं. जयानक ने की। इस ग्रंथ से पृथ्वीराज तृतीय के बारे में जानकारी मिलती है। इस ग्रंथ में चौहान राजाओं के वंशक्रम का वर्णन किया गया है।

प्रश्न : 25 राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय अंक : 50

41. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान राजस्थान के किस जिले में अवस्थित है?

(A) टोंक (B) बीकानेर (C) जयपुर (D) जोधपुर **[A]**

व्याख्या—केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान की स्थापना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) द्वारा **1962** में की गयी। यह संस्थान **भेड़** तथा **खरगोशों** पर अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों में लगा हुआ है।

42. राजस्थान के राज्य–पुष्प रोहिड़ा का वैज्ञानिक नाम क्या है—

(A) लिलियम (B) टेकोमेला अंडुलेटा
(C) हेलियनथस (D) साइडियम गुआजवा **[B]**

व्याख्या—राज्य सरकार ने रोहिड़ा को **31 अक्टूबर, 1983** को राज्य पुष्प घोषित किया। रोहिड़ा का वानस्पतिक नाम **टिकोमेला–अंडुलेटा** है।

43. मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में आवश्यक दवा सूची में कितनी नई औषधियों को शामिल किया गया है?

(A) 2 (B) 4 (C) 6 (D) 8 **[A]**

व्याख्या—वर्ष 2021-22 में आवश्यक दवा सूची में 2 नई औषधियों को शामिल किया गया हैं एवं 4 औषधियों को विलोपित किया गया हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के चिकित्सा संस्थानों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 6 दवाईयों की श्रेणियों में परिवर्तन किया गया है।

44. उदयपुर के निकट एकलिंग जी मंदिर किस शासक ने बनवाया था?

(A) राणा कुम्भा (B) राणा सांगा
(C) राणा उदयसिंह (D) बप्पा रावल **[D]**

व्याख्या—एकलिंग मंदिर का निर्माण बप्पा रावल ने 734 ई. में कराया था। मेवाड़ के महाराणा एकलिंग जी के दीवान कहलाते है। शिवरात्रि को यहाँ विशाल मेले का आयोजन होता है।

45. राजस्थान के निम्न में से किस खिलाड़ी का संबंध तीरंदाजी से है?

(A) कृष्णा पूनिया (B) अपूर्वी चंदेला
(C) रजत चौहान (D) सतीश जोशी **[C]**

व्याख्या—राजस्थान के खिलाड़ी रजत चौहान का संबंध तीरंदाजी से है।

46. निम्नलिखित में से राज्य का वास्तविक कार्यपालिका प्रधान कौन है?

(A) राज्यपाल (B) मुख्यमंत्री
(C) मंत्रिमंडल (D) मुख्य सचिव **[B]**

व्याख्या—संविधान के अनुसार संसदीय व्यवस्था में राज्यपाल राज्य का संवैधानिक (सैद्धान्तिक) प्रमुख होता है परन्तु वास्तविक (व्यावहारिक) प्रमुख मुख्यमंत्री होता है। अर्थात **राज्यपाल राज्य का मुखिया** होता है जबकि **मुख्यमंत्री सरकार का।**

47. राजस्थान में गुरु वशिष्ठ पुरस्कार किस वर्ष से प्रदान किया जा रहा है?

(A) 1985–86 (B) 1986–87
(C) 1977–78 (D) 2000–01 **[A]**

व्याख्या—क्रीड़ा परिषद ऐसे खेल प्रशिक्षकों को भी ''वशिष्ठ पुरस्कार'' से सम्मानित करती है जो राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को तराश कर योग्य खिलाड़ी बनाते हैं। वर्ष **1985-86** से यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। गुरु वशिष्ठ पुरस्कार में प्रशिक्षकों को वर्तमान में रु. **5 लाख की नकद राशि**, गुरु वशिष्ठ की ब्रास प्रतिमा, ब्लेजर मय टाई एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

48. जालौर जिले का वह नगर जहाँ पर 7वीं सदी में चीनी यात्री ह्वेनसांग आया था?

(A) भीनमाल (B) ईसरदा
(C) बदनोर (D) चावण्ड **[A]**

व्याख्या—जालौर जिले में स्थित भीनमाल का सम्बन्ध प्राचीन इतिहास से रहा है। संस्कृत के प्रख्यात **कवि माघ** ने अपने ग्रंथ **शिशुपाल वध** की रचना यहीं की थी। चीनी यात्री **ह्वेनसांग** ने भीनमाल की यात्रा की थी। भीनमाल में सुण्डा पर्वत पर राजस्थान का प्रथम रोप वे 2006 में बनाया गया।

49. राजस्थान में 'गोल्डन सिटी' के नाम से प्रसिद्ध नगर है?

(A) जयपुर (B) जोधपुर
(C) जैसलमेर (D) बीकानेर **[C]**

व्याख्या—**'गोल्डन सिटी'** (सुवर्ण नगरी) के नाम से लोकप्रिय जैसलमेर पाकिस्तान की सीमा और थार रेगिस्तान के निकट पश्चिमी राजस्थान और भारत के सीमा प्रहरी के रूप में कार्य करता है।

50. राजस्थान के किस जिले में दिलवाड़ा जैन मंदिर स्थित है?

(A) भीलवाड़ा (B) हनुमानगढ़
(C) सिरोही (D) टोंक **[C]**

व्याख्या—माउण्ट आबू सिरोही में देलवाड़ा के प्रसिद्ध जैन मंदिर है **यहाँ 5 मंदिरों** का समूह है जो इस प्रकार है—

1. **आदिनाथ मंदिर**—भगवान ऋषभदेव के इस मंदिर का निर्माण गुजरात के चालुक्य राजा भीमदेव के मंत्री **विमलशाह** ने प्रसिद्ध शिल्पकार कीर्तिधर के निर्देशन में करवाया था।
2. **नेमीनाथ मंदिर**—इस मंदिर का निर्माण चालुक्य राजा वीर धवल के मंत्री **तेजपाल व वास्तुपाल** ने प्रसिद्ध शिल्पी **शोभनदेव** के निर्देशन में करवाया। इस मंदिर को **लूणवसही मंदिर** भी कहा जाता है।
3. पीतलहर आदीश्वर मंदिर
4. खरतरवसही मंदिर

5. महावीर स्वामी का मंदिर

51. SIQE कार्यक्रम के उद्देश्य हैं—

(A) बालकेन्द्रित शिक्षण के द्वारा बालक को सीखने के पर्याप्त अवसर प्रदान करना
(B) बच्चों में परीक्षा के भय को दूर करना
(C) गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना
(D) उपरोक्त सभी **[D]**

व्याख्या—**SIQE** कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्न है—
(1) बालकेन्द्रित शिक्षण के द्वारा बालक को सीखने के पर्याप्त अवसर प्रदान करना।
(2) बच्चों में परीक्षा के भय को दूर करना।
(3) गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना।
(4) बच्चों में सृजनात्मक एवं मौलिक चिन्तन का विकास करना।
(5) स्तरानुसार शिक्षण योजना बनाकर शिक्षण कार्य करते हुए शैक्षिक प्रगति को नियमित रूप से दर्ज करना।

52. राजस्थान में सीमेन्ट उद्योग के स्थानीयकरण का प्रमुख कारक कौनसा है?

(A) बाजार
(B) कच्चे माल की उपलब्धता
(C) शक्ति संसाधनों की उपलब्धता
(D) प्रशिक्षित श्रमिक **[B]**

व्याख्या—राजस्थान में सीमेन्ट उद्योग के स्थानीयकरण का प्रमुख कारक कच्चे माल की उपलब्धता है। राज्य में सीमेन्ट उद्योग का सकेन्द्रण मुख्यत: चित्तौड़गढ़, बूँदी, कोटा, उदयपुर, सिरोही, सवाई-माधोपुर, जोधपुर तथा अजमेर जिलों में हैं। क्योंकि इन जिलों में सीमेंट उद्योग के लिए आवश्यक कच्चा माल चूना पत्थर, खडिया, जिप्सम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

53. मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना वर्तमान में राजस्थान के कितने कृषि जलवायुविक खण्डों में क्रियान्वित की जा रही है?

(A) तीन (B) पाँच (C) सात (D) दस **[D]**

व्याख्या—मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना का प्रारम्भ 2017 में किया गया। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य कृषकों द्वारा स्वयं के खेतों में अच्छी किस्म के बीज निर्माण को बढ़ावा देना है। प्रारम्भ में इस योजना का क्रियान्वयन राज्य के तीन कृषि जलवायुविक खण्डों यथा-कोटा, भीलवाड़ा तथा उदयपुर में किया गया परन्तु वर्ष **2018-19** से योजना **राज्य के समस्त 10 कृषि जलवायुविक खण्डों** में क्रियान्वित की जा रही है। इस योजनान्तर्गत गेहूं, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंग, मोठ, मूंगफली एवं उड़द की 10 वर्ष से कम अवधि तक की पुरानी किस्मों के बीज उत्पादन को शामिल किया गया है।

54. राजस्थान की पहली कपड़ा मिल-कृष्णा मिल, ब्यावर की स्थापना निम्नलिखित में से किस वर्ष में की गई थी—

(A) 1906 में (B) 1925 में
(C) 1938 में (D) 1889 में **[D]**

व्याख्या—कृषि आधारित उद्योगों में सूती-वस्त्र उद्योग सबसे बड़ा उद्योग है। राजस्थान में **प्रथम सूती** वस्त्र की मिल **''दी कृष्णा मिल्स लि., ब्यावर (अजमेर)''** निजी क्षेत्र में **''सेठ दामोदर दास राठी''** द्वारा स्थापित की गयी। इसकी स्थापना 1889 में की गयी थी तथा इनके सहयोगी श्याम जी कृष्ण वर्मा थे।

55. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन राज्य में सर्वप्रथम जयपुर व अलवर जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में कब से संचालित किया गया?

(A) 2010-11 (B) 2012-13
(C) 2015-16 (D) 2019-20 **[A]**

व्याख्या—CCE का प्रारम्भ पायलेट **प्रोजेक्ट के रूप में 2010-11** में हुआ तथा **सत्र 2015-16** से राज्य के समस्त समन्वित राजकीय विद्यालयों में इसे लागू किया। CCE का **मुख्य उद्देश्य** किसी भी कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों के वास्तविक शैक्षिक स्तर का पता लगाना है ताकि बच्चों को कक्षा अनुसार तथा उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार कार्य योजना बनाकर गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जा सके।

56. विद्यालय प्रबंधन समिति के उद्देश्य कौन-कौन से है?

(A) विद्यालय के कार्यों की मॉनिटरिंग करना
(B) विद्यालय विकास योजना बनाना
(C) भामाशाहो से सहयोग प्राप्त करना
(D) उपरोक्त सभी **[D]**

व्याख्या—विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रमुख उद्देश्य निम्न है—
(1) विद्यालय के कार्यों की मॉनिटरिंग करना
(2) विद्यालय विकास योजना बनाना
(3) भामाशाहो से सहयोग प्राप्त करना
(4) दानदाताओं से आर्थिक सहायता/दान प्राप्त करना।

57. राजकीय विद्यालयों में किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता हेतु निःशुल्क सेनेटरी नेपकीन वितरण किस योजना के तहत वितरित की जा रही है—

(A) आई. एम. शक्ति उड़ान योजना
(B) बाल गोपाल योजना
(C) चुप्पी-तोड़ो अभियान
(D) आपणी लाडो योजना **[A]**

व्याख्या—राजकीय विद्यालयों में किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता हेतु निःशुल्क सेनेटरी नेपकीन वितरण योजना का प्रारम्भ 8 मार्च 2016 को किया गया। **आई एम शक्ति उड़ान योजना** के तहत राज्य के समस्त राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को प्रतिमाह प्रति छात्रा 12 सेनेटरी नेपकीन निःशुल्क वितरित की जाती है।

58. राजस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किस वर्ष से शुरू की गई?

(A) 2016 (B) 2017
(C) 2018 (D) 2019 **[A]**

व्याख्या—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना **खरीफ, 2016** से प्रारम्भ की गई है। इस योजना में खाद्यान्न फसलों (अनाज, मोटा अनाज और दालें), तिलहन और वाणिज्यिक/बागवानी फसलों को शामिल किया गया है। कृषक से प्रीमियम राशि के अन्तर्गत खरीफ फसल में 2 प्रतिशत, रबी में 1.5 प्रतिशत एवं वाणिज्यिक/बागवानी फसलों के लिए 5 प्रतिशत लेकर फसल का बीमा किया जा रहा है।

59. जिला कलेक्टर वह धुरी है जिसके चारों ओर जिला प्रशासन घूमता है। उसकी कई प्रशासनिक भूमिकाएँ होती हैं। निम्न में से कौनसी उससे संबंधित नहीं है?

(A) राजस्व कार्य एवं जिला विकास अधिकारी

(B) उपखण्ड का सर्वोच्च अधिकारी
(C) जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला अधिकारी
(D) जिला निर्वाचन एवं जनगणना अधिकारी **[B]**

व्याख्या—जिला कलेक्टर जिला प्रशासन की **रीढ़/धुरी** कहलाता है तथा जिला प्रशासन का **मुखिया** होने के कारण जिला स्तर पर सरकार की **आँख, कान** तथा **बाँहों** के भांति कार्य करता है। जिला कलेक्टर पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के अधिकारी को लगाया जाता है।

60. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सामान्य अध्यापक छात्र अनुपात की दर क्रमशः क्या रखी गयी है?
(A) 30 : 1 (B) 25 : 1
(C) 1 : 30 (D) 1 : 25 **[C]**

व्याख्या—प्रत्येक स्कूल में छात्र शिक्षक अनुपात **30 : 1** से कम हो तथा सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित बच्चों की अधिकता वाले क्षेत्रों की स्कूलों में छात्र शिक्षक अनुपात 25 : 1 से कम हो
- ✧ सम्बन्धित विद्यालय का प्रत्येक अध्यापक/प्रबोधक।
- ✧ सम्बन्धित कार्यक्षेत्र में निवास करने वाले जिला प्रमुख/प्रधान/सरपंच/नगर पालिका अध्यक्ष।
- ✧ संबंधित कार्यक्षेत्र में निवास करने वाले समस्त जिला परिषद सदस्य, नगर पालिका पार्षद/पंचायत समिति सदस्य/वार्ड पंच।
- ✧ समिति की कार्यकारिणी समिति में निर्वाचित/मनोनीत शेष सदस्य जो उपरोक्त में शामिल नहीं हो।

61. राजस्थान सरकार द्वारा RTE Act 2009 की किस धारा के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर ''राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम-2011'' बनाये—
(A) धारा 21 (B) धारा 38
(C) धारा 29 (D) धारा 30 **[B]**

व्याख्या—''निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार, अधिनियम-2009 (2009 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 35) की **धारा-38** के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा RTE Act 2009 के प्रावधानों को लागू करने हेतु ''राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2011'' बनाया जिसे **29 मार्च 2011** को अधिसूचित किया गया। इस अधिनियम में **10 भाग** एवं **29 नियमों** का उल्लेख है।

62. राज्य सरकार द्वारा पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ किस वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाती है?
(A) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति
(B) अल्पसंख्यक, विशेष पिछड़ा वर्ग
(C) अस्वच्छ कार्य में संलग्न परिवार के बच्चे
(D) उपरोक्त सभी **[D]**

व्याख्या—राज्य सरकार द्वारा पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विशेष पिछड़ा वर्ग , अस्वच्छ कार्य में संलग्न परिवार के बच्चे आदि वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाती है।

63. मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना का प्रारम्भ कब हुआ?
(A) 2015 (B) 2017 (C) 2018 (D) 2020 **[B]**

व्याख्या—मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना का प्रारम्भ 2017 में किया गया। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य कृषकों द्वारा स्वयं के खेतों में अच्छी किस्म के बीज निर्माण को बढ़ावा देना है। प्रारम्भ में इस योजना का क्रियान्वयन राज्य के तीन कृषि जलवायुविक खण्डों यथा-कोटा, भीलवाड़ा तथा उदयपुर में किया गया परन्तु वर्ष **2018-19** से योजना **राज्य के समस्त 10 कृषि जलवायुविक खण्डों** में क्रियान्वित की जा रही है। इस योजनान्तर्गत गेहूं, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंग, मोठ, मूंगफली एवं उड़द की 10 वर्ष से कम अवधि तक की पुरानी किस्मों के बीज उत्पादन को शामिल किया गया है।

64. बालकों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में, ऐसे बालक जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विकलांग, सामाजिक व शैक्षिक पिछड़ा वर्ग और ऐसे ही अन्य समूह से सम्बन्धित हैं, परिभाषित है—
(A) विशिष्ट पिछड़ा वर्ग में
(B) गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.) में
(C) आर्थिक पिछड़ा वर्ग में
(D) असुविधाग्रस्त समूह में (वंचित समूह में) **[D]**

व्याख्या—**असुविधाग्रस्त समूह से संबंधित बालक से आशय**—SC/ST/सामाजिक एवं शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के बालक, निःशक्त बच्चे या समुचित सरकार द्वारा घोषित तथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, भाषा एवं लिंग के आधार पर घोषित असुविधाग्रस्त समूह के बालक।

65. निम्न में से कौनसा राजस्थान का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है—
(A) मुख्य सचिव (B) प्रमुख शासन सचिव
(C) मुख्यमंत्री (D) मंत्रिमण्डल सचिव **[A]**

व्याख्या—मुख्य सचिव राजस्थान का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है। राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव **सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी** होता है तथा शासन सचिवालय का **प्रशासनिक मुखिया** होता है। मुख्य सचिव ही राज्य मंत्रिपरिषद का मंत्रिमण्डल सचिव भी (Cabinet Secretary) होता है।

प्रश्न : 60 विद्यालय विषय (संस्कृत) अंक : 120

66. कस्मिन् विकल्पे संयोग संज्ञा अस्ति—
(किस विकल्प की संयोग संज्ञा है)—
(A) बालाः (B) रमेशः
(C) उष्ट्रः (D) रामः **[C]**

व्याख्या—**'उष्ट्रः'** विकल्प में 'संयोग संज्ञा' प्रयुक्त हुई है। 'संयोग संज्ञा' का सूत्र है - **''हलोऽनन्तरा संयोगः।'**
अर्थात् यदि दो या दो से ज्यादा व्यंजनों के बीच कोई स्वर नहीं हो तो वहाँ पर संयोग संज्ञा होती है। अर्थात् हल वर्णों को संयोग कहा जाता है। जैसे - इन्द्र, उष्ट्र।

67. अच् प्रत्याहारे सम्मिलिताः भवन्ति—
(अच् प्रत्याहार में सम्मिलित वर्ण हैं)—
(A) स्वर-वर्णा (B) व्यञ्जन-वर्णाः
(C) ऊष्म-वर्णाः (D) अन्तःस्थ वर्णाः **[A]**

व्याख्या—'अच्' प्रत्याहार में सारे स्वर वर्ण सम्मिलित होते हैं।

'**अचौ स्वराः**' अर्थात् अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए ओ, ऐ, औ (अच्) ही स्वर कहलाते हैं। ये चौदह माहेश्वर सूत्रों से लिए गए हैं।

68. संस्कृत-व्याकरणे संहिता पदेन सूच्यते—
(संस्कृत व्याकरण में संहिता पद के माध्यम से सूचित किया जाता है)—
(A) वेदाः (B) सन्धिः
(C) समासाः (D) आगमः **[B]**

व्याख्या—संस्कृत व्याकरण में संहिता पद का सूत्र है - '**आदिरन्त्येन संहेता।**' यहाँ संहिता पद के माध्यम से 'सन्धि' को सूचित किया गया है।

अर्थात् अंतिम 'इत्संज्ञा' युक्त वर्ण के साथ आदि वर्ण (प्रारम्भ में आए हुए) वर्ण की संज्ञा करना ही प्रत्याहार है।

जैसे - 'ऋलृक्' सूत्र में 'ऋक्' प्रत्याहार बनेगा 'ऋक्' प्रत्याहार से 'ऋ' एवं 'लृ' वर्णों का ही पता चलेगा लेकिन 'क्' वर्ण की ऋक् प्रत्याहार में गणना नहीं की जाएगी।

69. 'मेयम' इति पदे प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः—
('मेयम' इस पद में प्रकृति और प्रत्यय हैं)—
(A) √मा + यत् (B) √मे + ण्यत्
(C) √मी + क्यप् (D) √मे + ल्यप् **[A]**

व्याख्या—'मेयम' पद में प्रकृति व प्रत्यय हैं—√मा + यत्

'यत्' प्रत्यय का सूत्र है—'**अचो यत्**' यह प्रत्यय केवल ऐसी धातुओं में जोड़ा जाता है, जिनके अन्त में कोई स्वर हो या जिनके अन्त में 'प' वर्ग का कोई अक्षर हो और उपधा में अकार हो तो यत् के पूर्व स्वर का गुण होता है। जैसे-

दा + यत् = देयम्। चि + यत् = चेयम्।
नी + यत् = नेयम्। लभ् + यत् = लभ्यम्।

70. तल् प्रत्ययान्तं पदं वर्तते—
(तल् प्रत्ययान्त पद है)—
(A) गमिता (B) पूता
(C) स्रविता (D) लघुता **[D]**

व्याख्या—'तल्' प्रत्ययान्त पद 'लघुता' है।

इसका सूत्र है—'**तस्य भावस्त्वतलौ**' तस्य भावः अर्थात् उसका भाव इस अर्थ में कई शब्दों से तल् प्रत्यय हो जाता है। भाववाचक संज्ञा बनाने के लिए 'तल्' प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है। तल् प्रत्यय में 'ता' दिखाई देता है। जैसे-

शिशु + तल् = शिशुता
दरिद्रस्य भावः = दरिद्रता (दरिद्र + तल्)
प्रभो : भाव = प्रभुता (प्रभु + तल्)

71. 'क्यप्' प्रत्ययान्तं पदमस्ति—
('क्यप्'—प्रत्ययान्त पद है)—
(A) गेयः (B) पेयः
(C) स्तुत्यः (D) स्थेयः **[C]**

व्याख्या—'क्यप्' प्रत्ययान्त पद स्तुत्यः है-

स्तुत्यः = स्तु + क्यप्

'क्यप्' के पूर्व धातु का अंतिम स्वर यदि ह्रस्व हो तो उसके बाद अर्थात् धातु और प्रत्यय के मध्य में 'त्' आ जाता है।

जैसे-स्तु + क्यप् = स्तु + त् + य = स्तुत्य।

यहाँ पर गुण नहीं होगा। सूत्र है - '**एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप्।**'

अर्थात् इ, स्तु, वृ, दृ, शास्, जुष् एवं मृज् धातुओं में क्यप् प्रत्यय लगता है। जैसे—शास् + क्यप् = शिष्यः, वृ + क्यप् = वृत्यः (वरणीय)

72. पच् + घञ् = रिक्तस्थानं पूरयत—
(पच् + घञ् ..... रिक्तस्थान की पूर्ति करो)—
(A) पाकः (B) पचः
(C) पक्वः (D) पाचकः **[A]**

व्याख्या—पच् + घञ् = पाकः

यहाँ पर घञ् प्रत्यय है। '**भावे**' सूत्र के अनुसार सिद्ध अवस्था को प्राप्त धातु का अर्थ 'भाव' अर्थात् व्यापार वाच्य हो तो धातु से 'घञ्' प्रत्यय का विधान होता है। घञ् में 'घ' एवं 'ञ्' इत्संज्ञक हैं। अतः केवल 'अ' कार ही शेष रहता है।

जैसे — रम् + घञ् = रामः
लभ् + घञ् = लाभः
विद् + घञ् = वेदः

73. 'ग्रथितः' इति पदे प्रकृति प्रत्ययौ स्त—
('ग्रथितः' इस पद में प्रकृति और प्रत्यय हैं)—
(A) √ग्रथ् + क्त (B) √ग्रन्थ् + क्त
(C) ग्रथि + तल् (D) √ग्रथ् + शतृ **[A]**

व्याख्या—'**ग्रथितः**' पद में प्रकृति व प्रत्यय हैं-

√ग्रथ् + क्त् = '**क्तक्तवतू निष्ठा**' = निष्ठा सूत्र के अनुसार भूतकालिक क्रिया को व्यक्त करने के लिए धातु से 'क्त' प्रत्यय का विधान किया जाता है। 'क्त' प्रत्यय भाव एवं कर्म में होता है अर्थात् क्त प्रत्यय का प्रयोग भाववाच्य में किया जाता है। जैसे—

मया वेदः पठितः (पठ् + क्त)
हस् + क्त = हसितः, वच् + क्त = उक्तः
प्रच्छ् + क्त = पृष्टः, वह् + क्त = ऊढः

74. 'प्रहरीव' अस्य सन्धिविच्छेदं कुरुत—
('प्रहरीव' इसका संधि-विच्छेद करो।)
(A) प्रहरी + इव (B) प्रह + रीव
(C) प्रहर + इव (D) प्र + हरीव **[A]**

व्याख्या—**प्रहरीव = प्रहरी + इव**

प्रहर् + इ + इ + व
प्रहर् + ई + व = प्रहरीव (दीर्घ संधि)

75. 'सकलोऽपि' इत्यस्य संधिविच्छेदः करणीयः—
('सकलोऽपि' इसका संधि-विच्छेद होगा।)
(A) सकलो + अपि (B) सकल + अपि
(C) सकलः + अपि (D) सकलो + पि **[C]**

व्याख्या—**सकलोऽपि = सकलः + अपि = विसर्ग संधि**

सूत्र है - '**अतोरोरप्लुतादप्लुते**' सूत्रानुसार ह्रस्व अकार के बाद स्थित रुत्व के स्थान पर 'उ' हो जाता है। यदि ह्रस्व अ परे हो तो। अतः (अः + अ = ओऽ) होता है। जैसे - **कः + अयम् = कोऽयम्**

76. 'उद्योगेनैव' इत्यत्र कः संधि अस्ति?
('उद्योगेनैव' यहाँ पर कौनसी संधि है?)
(A) गुणसंधिः (B) वृद्धि संधिः
(C) यण् संधिः (D) पररूपसंधिः **[B]**
व्याख्या—उद्योगेनेव = उद्योगेन + एव
उद्योगेन् + अ + ए + व
उद्योगेन् + ऐ + व
उद्योगेनैव
(अ + ए = ऐ) वृद्धि संधि है।

77. 'समाविशतु' पदस्य विच्छेदं कुरु—
('समाविशतु' पद का विच्छेद करो।)
(A) सम् + आ + विश् + लोट्
(B) समा + विश् + लोट्
(C) समा+ विशतु
(D) सम् + आ + विश + लट् **[A]**
व्याख्या—'समाविशतु' का संधि-विच्छेद है –
सम + आ + विश् + लोट् लकार + प्रथम पुरुष + एकवचन

78. 'यथेष्टम्' इत्यस्य संधिविच्छेदः करणीयः—
('यथेष्टम्' इसका संधि-विच्छेद होगा।)
(A) यथेष्ट + अम् (B) यथा + इष्टम्
(C) यथा + एष्टम् (D) यथेष् + टम् **[B]**
व्याख्या—यथेष्टम् = यथा + इष्टम्
यथ् + आ + इ + ष्टम्
यथ् + ए + ष्टम्
यथेष्टम् में गुण संधि है।

79. 'नीलोत्पलम्' इत्यस्मिन् समासस्य नाम अस्ति—
('नीलोत्पलम्' उदाहरण में प्रयुक्त समास का नाम है)—
(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुषः
(C) कर्मधारयः (D) द्वन्द्व **[C]**
व्याख्या—'नीलोत्पलम्' उदाहरण में प्रयुक्त समास कर्मधारय है। 'नीलम् उत्पलम्' इसका समास विग्रह होगा। यहाँ पर विशेषण पूर्व पद कर्मधारय समास है। जहाँ यदि प्रथम शब्द विशेषण हो और दूसरा विशेष्य हो तो उसे विशेषण पूर्व पद कर्मधारय समास कहते हैं।
जिसका सूत्र है—**''विशेषणंविशेष्येण बहुलम्।''**

80. 'पाणिपादम्' इति समस्त पदस्य विग्रहः अस्ति—
('पाणिपादम्' इस समस्त पद का विग्रह है)—
(A) पाणिश्च पादम् च (B) पाणिपाद समाहारः
(C) पाणौ च पादौ च (D) पाणी च पादौ च **[D]**
व्याख्या—'पाणिपादम्' इस समस्त पद का विग्रह होगा 'पाणी च पादौ च।'
इसमें द्वन्द्व समास है तथा द्वन्द्व समास का भी एक अन्य भेद है-समाहार द्वन्द्व उसका यह उदाहरण है।
परिभाषा—यदि द्वन्द्व समास में 'च' से जुड़ी संज्ञाएँ आएँ जो प्रधानतया एक समाहार का बोध करावें तो उसे **'समाहार द्वन्द्व'** कहा जाता है। यह समास हमेशा नपुंसकलिंग के एकवचन में रखा जाता है।
जैसे—**शिवश्च केशवश्च = शिवकेशवौ।**

81. बहुव्रीहि समासस्य उदाहरणमस्ति—
(बहुव्रीहि समास का उदाहरण है)—
(A) पीताम्बरम् (B) महापुरुषः
(C) अधिहरि (D) व्याघ्राम्बरः **[D]**
व्याख्या—उपर्युक्त उदाहरणों में से **'व्याघ्राम्बरः'** बहुव्रीहि समास का उदाहरण है। बहुव्रीहि समास में तीसरा ही अर्थ प्रधान होता है। जब दो या दो से अधिक सभी समस्त शब्द किसी अन्य शब्द के विशेषण बनकर रहते हैं जिसमें प्रथम व द्वितीय शब्द किसी तीसरे शब्द के विशेषण हो जाएँ, वहाँ बहुव्रीहि होता है।
जैसे—**चक्रं पाणौ यस्य सः = चक्रपाणिः। (विष्णु)**

82. 'हतशत्रुः' इति समस्तपदस्य विग्रहः स्यात्—
('हतशत्रुः' इस समस्त पद का विग्रह है)—
(A) हताः शत्रवः येन सः (B) हतम् शत्रुणा यः सः
(C) हतं शत्रुणा यत् तत् (D) हतं शत्रुः यस्मिन् तत् **[A]**
व्याख्या—'हतशत्रुः' इस समस्त पद का समास विग्रह है—**'हताः शत्रवः येन सः''** अर्थात् जिसके शत्रु मारे जा चुके हैं। इसका तीसरा अर्थ है (राजा) यहाँ पर समानाधिकरण बहुव्रीहि समास है।

83. 'युष्मद्' शब्दस्य पंचमी विभक्त्यायाः बहुवचने किम् रूपम् भविष्यति?
(A) युष्माकम् (B) युष्मत्
(C) युष्मभ्यम् (D) युष्माभिः **[B]**
व्याख्या—'युष्मद्' शब्द की पंचमी विभक्ति का बहुवचन रूप 'युष्मत्' होगा। पूर्ण रूप है—त्वत्, युवाभ्याम्, युष्मत्।

84. 'युष्मद्' शब्दस्य षष्ठी विभक्त्यायाः द्विवचने किम् रूपम् भविष्यति?
(A) त्वयि (B) युवाभ्याम्
(C) युवयोः (D) युष्माकम् **[C]**
व्याख्या—'युष्मद्' शब्द की षष्ठी विभक्ति के द्विवचन में 'युवयोः' रूप बनेगा। षष्ठी विभक्ति का पूर्ण रूप है—तव, युवयोः, युष्माकम्।

85. ''चक्रं पाणौ यस्य सः'' इत्यस्य समस्तपदं किम् ?
(A) चक्रपाणिः (B) चक्रपाणी
(C) पाणिचक्रम् (D) पाणिचक्रिन् **[A]**
व्याख्या—''चक्रं पाणौ यस्य सः'' इसका समस्त पद ''चक्रपाणिः'' बनेगा तथा इसमें ''बहुव्रीहि'' समास है।

86. 'उपशरदम्' पदस्य समासविग्रहः अस्ति—
(A) शरदः समीपम् (B) शरदः उपरि
(C) शरदः अनुकूलम (D) शरदः आधिक्यम् **[A]**
व्याख्या—'उपशरदम्' शब्द का समास विग्रह ''शरदः समीपम्'' होगा तथा इसमें ''अव्ययी भाव'' समास है।

87. 'एधिष्यामहे' इति रूपम् एध् धातोः कस्मिन् लकारस्य पुरुषस्य वचनस्य च अस्ति?
(A) लट्लकारस्य मध्यम पुरुषस्य द्विवचने
(B) विधिलिङ उत्तम पुरुषस्य एकवचने
(C) लृट्लकारस्यउत्तम पुरुषस्य बहुवचने
(D) लोट्लकारस्य मध्यम पुरुषस्य बहुवचने **[C]**

व्याख्या—'एधिष्ये' यह रूप 'एध्' धातु के लृट् लकार, उत्तम पुरुष का बहुवचन का रूप है। 'एध्' धातु, लृट्, लकार उत्तम पुरुष का पूर्ण रूप है एधिष्ये, एधिष्यावहे, एधिष्यामहे।

88. 'एध्' धातोः लृट् लकारस्य प्रथम पुरुषस्य बहुवचने किम् रूपम् भविष्यति?

(A) एधिष्यन्ति (B) एधिष्यन्ते
(C) एधेरन् (D) एधिष्यन्त **[B]**

व्याख्या—'एध्' धातु, लृट लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन में 'एधिष्यन्ते' रूप बनेगा तथा 'एध्' धातु, लृट् लकार, प्रथम पुरुष का पूर्ण रूप है एधिष्यते, एधिष्येते, एधिष्यन्ते।

89. अत्र कालबोधक अव्ययस्य उदाहरणम अस्ति—

(A) कुतः (B) मुहुः
(C) यदा (D) ग्रामतः **[C]**

व्याख्या—यहाँ कालबोधक अव्यय का उदाहरण 'यदा' है। यदा—जब, यहाँ समय का संबंध पता चल रहा है।

90. सर्वेषु लिंगेषु कः समानम् भवति—

(A) प्रातिपदिक (B) पद
(C) धातु (D) अव्यय **[D]**

व्याख्या—सभी लिङ्गों में अव्यय समान होते हैं। नियम है कि—''सदृशः त्रिषु लिङ्गेषु सर्वासु च विभक्तिषु वचनेषु च सर्वेषु यन्न व्ययेति तदव्ययम्'' अर्थात् जो शब्द तीनों लिङ्गों में सभी विभक्तियों व सभी वचनों में एक समान रहते हैं तथा जिनमें कोई परिवर्तन नहीं होता है वे शब्द अव्यय कहलाते हैं।

91. 'खलु' अव्ययस्य प्रयोगम् कस्मिन अर्थे भवति—

(A) जिज्ञासार्थे (B) सर्वत्र
(C) निषेधार्थे (D) वाक्यालङ्कार्थे **[B]**

व्याख्या—'खलु' अवयय का प्रयोग उपरोक्त में से तीनों विकल्पों में होगा। जैसे—जिज्ञासा अर्थ में, निषेध-मना करने के अर्थ में, वाक्य के अर्थ में। खलु का अर्थ है—निश्चित रूप से।

92. द्वितीया विभक्तेः प्रयोगम् कस्मिन् अव्ययेन सह भवति—

(A) एव (B) ऋते
(C) सह (D) धिक् **[D]**

व्याख्या—द्वितीया विभक्ति का प्रयोग उपरोक्त में से 'धिक्' अव्यय के साथ होता है। उदाहरण है—धिक् = धिक्कारपूर्वक (धिक् मूर्खम्।)

93. 'एकधा' शब्दः कस्य वाचकः अस्ति?

(A) संख्यायाः (B) समयस्य
(C) अव्ययी भावस्य (D) एतेषु कोऽपि न **[B]**

व्याख्या—'एकधा' शब्द उपरोक्त में से समय का वाचक है।
एकधा = एक प्रकार से, बहुधा = बहुत प्रकार से।

94. उपसर्गाः धातुयोगे किं कुर्वन्ति ?
(सभी उपसर्ग धातुओं के योग में मिलकर क्या करते हैं?)—

(A) अर्थ परिवर्तनम् (B) अर्थस्य न्यूनीकरणम्
(C) अर्थस्य टिप्पणीकरणम् (D) अर्थस्य अधःकरणम् **[A]**

व्याख्या—**'उपसर्गाः धातुयोगे अर्थ परिवर्तनम् कुर्वन्ति।'**
अर्थात् उपसर्ग धातु के योग में अर्थ का परिवर्तन कर देते हैं।
जैसे - प्रहारः, विहारः, आहारः, संहारः, परिहारः

95. 'शिष्यः अध्ययनात् ..... जयते।' उचित उपसर्गेण रिक्तस्थानं पूरयत—
(उचित उपसर्ग से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)—

(A) निर् (B) दुर्
(C) प्र (D) परा **[D]**

व्याख्या—**'शिष्यः अध्ययनात् पराजयते।'**
उपरोक्त पंक्ति में 'परा' उपसर्ग का प्रयोग किया जाएगा।
'परा' उपसर्ग का अर्थ है-निषेध, विपरीत, विरोध।

96. प्रथमा विभक्तिः स्यात्—
(प्रथमा विभक्ति होगी)—

(A) परिमाणमात्रे (B) धातौ
(C) प्रत्यये (D) अव्यये **[A]**

व्याख्या—**''प्रातिपदिकार्थ लिङ्ग परिमाण वचन मात्रे प्रथमा स्यात्।''** अर्थात् प्रातिपदिक अर्थ, लिंग, परिमाण (वजन, नाप, तौल) वचन मात्र में प्रथमा विभक्ति होती है।

97. ''तण्डुलेभ्यः ओदनं पचति'' रेखाङ्किते उचितं पदं स्यात्—
(चावलों से भात पकाता है। रेखांकित पद के स्थान पर उचित पद आयेगा)—

(A) तण्डुलम् (B) तण्डुलान्
(C) तण्डुलैः (D) तण्डुलात् **[B]**

व्याख्या—**''तण्डुलेभ्यः ओदनं पचति।''**
यह वाक्य अशुद्ध है। शुद्ध वाक्य है-तण्डुलान् ओदनं पचति।
यहाँ 'पच्' धातु के योग में द्वितीया विभक्ति कर्मकारक का प्रयोग किया गया है।
सूत्र है - **''दुह् याच् पच् दण्ड् रुधि प्रच्छिचि ब्रूशासजिमथ् मुषाम्।''**
'अकथितं च।' सूत्र में ये 16 धातुएँ हैं जिनके साथ कर्म का योग होने पर द्वितीया विभक्ति होती है। जैसे-
'तण्डुलान ओदनं पचति।' (चावलों से भात पकाता है।)

98. कर्मवाच्ये कर्ता भवति—
(कर्मवाच्य में कर्ता होता है)—

(A) प्रथमा विभक्तौ (B) द्वितीया विभक्तौ
(C) पञ्चमी विभक्तौ (D) तृतीया विभक्तौ **[D]**

व्याख्या—कर्मवाच्य में कर्ता **'तृतीया विभक्ति'** में होता है। कर्तृवाच्य तो सभी सकर्मक व अकर्मक क्रियाओं का होता है किन्तु कर्मवाच्य केवल सकर्मक क्रियाओं का ही होता है। इसमें कर्म की प्रधानता होती है। क्रिया में लिङ्ग, पुरुष व वचन कर्म के आधार पर ही होते हैं। कर्तृवाच्य का कर्ता कर्मवाच्य में तृतीया विभक्ति में होता है और कर्म प्रथमा विभक्ति में होता है। जैसे-

(1) छात्रेण विद्यालयः गम्यते।
(2) छात्राभ्यां पुस्तके पठ्येते।
(3) अस्माभिः पद्यानि पठ्यन्ते।

इस बारे में एक श्लोक भी कहा गया है-

''कर्मणि प्रथमा यया तृतीयाऽथ च कर्तरि।
कर्मवाच्यं भवेत् तत्तु क्रिया कर्मानुसारिणी।।''

99. 'विद्यया हीनः जनः पशुः।'
उपरोक्त वाक्यस्य हिन्दी भाषायाम् शुद्ध अनुवादः अस्ति—
(A) विद्यादान करने वाले जन पशु हैं।
(B) विद्यायुक्त जन पशु हैं।
(C) विद्या से हीन जन पशु हैं।
(D) विद्या जानने वाले जन पशु हैं। **[C]**
व्याख्या—'विद्यया हीनः जनः पशुः।' इस वाक्य का संस्कृत भाषा में शुद्ध अनुवाद है विद्या से हीन (रहित) जन (लोग) पशु हैं अर्थात् पशु के समान हैं।

100. 'याचकाय वस्त्रं ददाति।'
अस्मिन् वाक्यस्य हिन्दी भाषायाम् शुद्ध अनुवादः अस्ति—
(A) याचक का वस्त्र देता है।
(B) याचक के लिए वस्त्र लेता है।
(C) याचक के लिए वस्त्र देता है।
(D) याचक को वस्त्र देता है। **[D]**
व्याख्या—'याचकाय वस्त्रं ददाति।' इस वाक्य का हिन्दी भाषा में शुद्ध अनुवाद है 'याचक को वस्त्र देता है।'

101. 'गाँव के दोनों ओर जल है' इत्यस्य वाक्यस्य शुद्धानुवादः अस्ति—
('गाँव के दोनों ओर जल है' इस वाक्य का शुद्ध अनुवाद है—)
(A) ग्रामस्य अभितः जलम् अस्ति।
(B) ग्रामम् अभितः जलम् अस्ति।
(C) ग्रामात् अभितः जलम् अस्ति।
(D) ग्रामेण अभितः जलम् अस्ति। **[B]**
व्याख्या—**''गाँव के दोनों ओर जल है।''** इस वाक्य का शुद्ध संस्कृत में अनुवाद है - **ग्रामम् अभितः जलम् अस्ति।**
अभितः का अर्थ है दोनों ओर, सूत्र है-अभितः, परितः, समया, निकषा, हा प्रति, योगे द्वितीया विभक्तिः स्यात्। उदाहरण-
(1) 'कृष्णम् अभितः जलम् अस्ति।'
(2) ग्रामम् अभितः नदी अस्ति।
(3) उद्यानं निकषा विद्यालयः अस्ति।
(4) अभितः = दोनों ओर,
(5) परितः = चारों ओर
(6) समया = समीप, निकट
(7) निकषा = समीप, पास
(8) हा = शोक
(9) प्रति = ओर, तरफ

102. 'सीता मोदक खाकर जल पीती है।' इत्यस्य संस्कृतानुवादः स्यात्—
('सीता मोदक (लड्डू) खाकर जल पीती है।' इस वाक्य का संस्कृत भाषा में अनुवाद होगा)—
(A) सीता मोदकः खाद्य जलं पायति।
(B) सीता मोदकः खादित्वा जल पाययति।
(C) सीता मोदकं खादित्वा जलं पिबति।
(D) सीतया मोदकं खाद्य जलं पीयते। **[C]**
व्याख्या—'सीता मोदक (लड्डू) खाकर जल पीती है।'
इस वाक्य का संस्कृत में अनुवाद है-**'सीता मोदकं खादित्वा जलं पिबति।'**
इस वाक्य में एक कार्य समाप्त करके दूसरा कार्य आरम्भ किया जा रहा है, अतः 'क्त्वा' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

103. कालिदासस्य प्रथम कृतिः मन्यते—
(A) ऋतुसंहारम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) कुमारसंभवम् (D) रघुवंशम् **[A]**
व्याख्या—कालिदास की प्रथम कृति ऋतुसंहार मानी जाती है। इसमें 6 सर्ग व 144 श्लोक हैं। इसमें 6 ऋतुओं का वर्णन किया गया है।

104. कालिदासस्य प्रथम नाटकम् अस्ति—
(A) मालविकाग्निमित्रम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) कुमारसंभवम् (D) विक्रमोर्वशीयम् **[A]**
व्याख्या—कालिदास का प्रथम नाटक मालविकाग्निमित्रम् है। इसमें पाँच अङ्क विद्यमान हैं। विदिशा का राजा 'अग्निमित्र' इसका नायक है तथा विदर्भराज की भगिनी 'मालविका' इसकी नायिका है।

105. कालिदासस्य प्रथमम् महाकाव्यम् अस्ति—
(A) मेघदूतम् (B) रघुवंशम्
(C) कुमारसंभवम् (D) विक्रमोर्वशीयम् **[C]**
व्याख्या—कालिदास का प्रथम महाकाव्य कुमारसंभवम् है। इसकी रचना ऋतुसंहार व मालविकाग्निमित्रम् के बाद तथा रघुवंश व अभिज्ञानशाकुन्तलम से पहले की है। इसमें 19 सर्ग हैं तथा कार्तिकेय के जन्म की कथा है।

106. 'रामस्य माध्यमेन शम्बूकस्य वधस्य वर्णनम्' रामायणस्य कस्मिन् काण्डे अस्ति?
(A) युद्धकाण्डे (B) उत्तरकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) अरण्यकाण्डे **[B]**
व्याख्या—राम के माध्यम से शम्बूक के वध का वर्णन रामायण के उत्तरकाण्ड में वर्णित है। इसमें राम के भ्राताओं के स्वर्ग गमन का वर्णन है।

107. 'ख्रीष्टपूर्वे ..... प्रणीते, आश्वलायनगृह्यसूत्रे महाभारतस्योल्लेखो दृश्यते।'
अत्र रिक्त स्थाने प्रयुक्त उचित पदम् अस्ति—
(A) पंचमशतक (B) चतुर्थशतक
(C) तृतीयशतक (D) षष्ठ शतक **[A]**
व्याख्या—ईसापूर्व पंचमशतक में प्रणीत आश्वलायन गृह्यसूत्र में महाभारत का उल्लेख दिखाई देता है। उपरोक्त वाक्य में रिक्त स्थान पर प्रयुक्त पद पंचम शतक है।

108. 'रामसुग्रीवयोः मित्रतायाः वर्णनम् बालिवधस्य च वर्णनम्' रामायणस्य कस्मिन् काण्डे अस्ति?
(A) सुन्दरकाण्डे (B) उत्तरकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) युद्धकाण्डे **[C]**
व्याख्या—राम, सुग्रीव की मित्रता का वर्णन व बालि के वध का वर्णन रामायण के किष्किन्धाकाण्ड में है। इसमें 67 सर्ग व 2455 श्लोक हैं।

इसमें राम द्वारा बालि के वध का वर्णन है। सीता की खोज हेतु हनुमान द्वारा वानरों का संगठन व सीता की खोज हेतु सभी का वनगमन, हनुमान जी के महेन्द्र पर्वत पर चढ़ने आदि का भी वर्णन किया गया है।

109. 'शूर्पणखायाः नासिकायाः कर्तनस्य वर्णनम्' रामायणस्य कस्मिन् काण्डे अस्ति?

(A) अयोध्याकाण्डे (B) किष्किन्धाकाण्डे
(C) बालकाण्डे (D) अरण्यकाण्डे **[D]**

व्याख्या—शूर्पणखा की नासिका के काटने का वर्णन रामायण के अरण्ड कारण्ड में है। इसमें खर-दूषण वध, सीता हरण, जटायु एवं शरभ, सुतीक्ष्ण व अगस्त्य आदि ऋषियों द्वारा श्रीराम के आतिथ्य सत्कार का भी वर्णन है।

110. नैषधीयचरितम् महाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

(A) 22 (B) 23
(C) 24 (D) 25 **[A]**

व्याख्या—नैषधीयचरितम् महाकाव्य में 22 सर्ग प्रयुक्त हुए हैं। यह महाकाव्य पौराणिक नलोपाख्यान पर आधारित है।

111. 'खरदूषण राक्षसानाम् वधस्य वर्णनम्' रामायणस्य कस्मिन् काण्डे अस्ति?

(A) बालकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) युद्धकाण्डे (D) उत्तरकाण्डे **[B]**

व्याख्या—खरदूषण आदि राक्षसों के वध का वर्णन रामायण के अरण्य काण्ड में है। अरण्य काण्ड में शरभ, सुतीक्ष्ण तथा अगस्त्य आदि ऋषियों द्वारा श्रीराम के आतिथ्य सत्कार, पंचवटी एवं शूर्पणखा की नासिका कर्तन, सीता हरण आदि का वर्णन है।

112. माघस्य शिशुपालवधे चित्रालंकारस्य प्रचुरता कस्मिन् सर्गे वर्तते?

(A) अष्टमसर्गे (B) अष्टादश सर्गे
(C) सप्तदश सर्गे (D) एकोनविंशतितमे सर्गे **[C]**

व्याख्या—माघ के शिशुपालवध महाकाव्य में चित्रालंकार की प्रचुरता सत्रहवें सर्ग में है।

113. 'संस्कृतसाहित्यस्य आकर ग्रन्थः, कार्ष्णवेदः, आर्षमहाकाव्यम् च अस्ति—

(A) रामायणम् (B) बुद्धचरितम्
(C) महाभारतम् (D) किरातार्जुनीयम् **[C]**

व्याख्या—संस्कृत साहित्य आकर ग्रन्थ, कार्ष्णवेद एवं आर्षमहाकाव्य महाभारत को कहा गया है। इसमें 18 पर्व हैं। इसके रचयिता वेदव्यास जी हैं। इसे शतसाहस्त्री संहिता (एक लाख श्लोकों वाली) भी कहा जाता है।

114. रामः विष्णौः कीदृशः अवतारः मन्यते?

(A) द्वितीयम् (B) षष्ठम्
(C) सप्तमम् (D) पंचमम् **[C]**

व्याख्या—भगवान श्रीराम विष्णु का सातवाँ अवतार माने जाते हैं। विष्णु के कुल दस अवतार हुए हैं। वैसे तो विष्णु के अनन्त अवतार हुए हैं। परन्तु उनमें से दस प्रसिद्ध हैं, जैसे मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि अवतार।

115. माघस्य 'घण्टामाघः' इति उपाधिः 'घण्टा' इति कस्मिन सर्गे अस्ति?

(A) चतुर्थ सर्गे रैवतक पर्वतस्य वर्णन प्रसङ्गे
(B) अष्टम सर्गे कामक्रीड़ायाः वर्णने
(C) षष्ठ सर्गे वर्णन प्रसंगे
(D) एकादश सर्गे प्रभातवर्णने **[A]**

व्याख्या—माघ को 'घण्टामाघ' की उपाधि में 'घण्टा' यह चतुर्थ सर्ग रैवतक पर्वत के वर्णन प्रसङ्ग में है। माघ ने रैवतक पर्वत पर सूर्योदय के दृश्य का अद्भुत वर्णन किया। माघ चित्रालंकारों के प्रयोग में सिद्धहस्त हैं।

116. विचिन्त्य इत्यत्र धातोः कः प्रत्ययः ?

(A) ण्यत् (B) यत्
(C) ल्यप् (D) क्यप् **[C]**

व्याख्या—''विचिन्त्य'' शब्द में वि + चिन्त् + ल्यप् (य) प्रत्यय होने से ''विचिन्त्य'' शब्द निष्पन्न हुआ है।

117. 'गच्छन्' इत्यत्र प्रत्ययं निर्दिशतु।

(A) शानच् (B) शतृ
(C) ईयसुन् (D) ईष्ठन् **[B]**

व्याख्या—''गच्छन्'' शब्द में गम् धातु से शतृ (अन्) प्रत्यय लगने पर ''गच्छन्'' रूप निष्पन्न होता है।

118. 'क्षम् + क्तिन्' योगे शब्द निर्मीयते—

(A) क्षन्तिः (B) शान्तिः
(C) क्षान्तिः (D) क्षाम्तिः **[C]**

व्याख्या—'क्षम्' धातु से क्तिन् (ति) प्रत्यय लगने पर ''क्षान्तिः'' शब्द निष्पन्न होता है।

119. 'शयनम्' पदे प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः—

(A) शै + अच् (B) शि + णिनि
(C) शी + इन् (D) शी + ल्युट् **[D]**

व्याख्या—''शयनम्'' शब्द में शी धातु (सोना) से ल्युट् (अन्) प्रत्यय का प्रयोग हुआ है।

120. 'मेयम' इति पदे प्रकृति-प्रत्ययौ स्तः—
('मेयम' इस पद में प्रकृति और प्रत्यय हैं)—

(A) √मा + यत् (B) √मे + ण्यत्
(C) √मी + क्यप् (D) √मे + ल्यप् **[A]**

व्याख्या—'मेयम' पद में प्रकृति व प्रत्यय हैं—√मा + यत्
यत् प्रत्यय का सूत्र है—**'अचो यत्'** यह प्रत्यय केवल ऐसी धातुओं में जोड़ा जाता है, जिनके अन्त में कोई स्वर हो या जिनके अन्त में 'प' वर्ग का कोई अक्षर हो और उपधा में अकार हो तो यत् के पूर्व स्वर को गुण होता है। जैसे-
दा + यत् = देयम्। चि + यत् = चेयम्।
नी + यत् = नेयम्। लभ् + यत् = लभ्यम्।

121. 'एङः पदान्तादति' सूत्रस्योदाहरणमस्ति—

(A) हरेऽव (B) हरऽव
(C) हरेय (D) हरये **[A]**

व्याख्या—'एङ् पदान्तादति' सूत्र के अनुसार पद के अन्त में ए या ओ आने पर तथा उनके बाद लघु ''अ'' आने पर अयादि सन्धि का निषेध होकर अ को पूर्वरूप (ऽ) आदेश हो जाता है।

122. 'वाग्धरिः' पदस्य वैकल्पिकं सन्धिपदमस्ति—
(A) वाज्धरिः (B) वाग्हरिः
(C) वाक्धरिः (D) वाध्धरिः **[B]**
व्याख्या—''झलां जशोऽन्ते'' सूत्र से झल को जश आदेश होता है। इसी क्रम में वर्ग के 4 अक्षरों के परे यदि 'ह' आ जाए तो 'ह' को विकल्प से उसी वर्ग का चौथा अक्षर हो जाता है तथा उससे पहले वर्ण का अपने वर्ग का तीसरा वर्ण हो जाता है।

123. 'मधु + अरिः' इत्यस्य सन्धिपदं निर्णेयम्—
(A) मधूरिः (B) मधारिः
(C) मध्वारिः (D) मध्वरिः **[D]**
व्याख्या—''इकोयणचि'' सूत्र के द्वारा इक् के स्थान पर यण आदेश होता है। इस सूत्र से मधु के उ को व आदेश होने से मधु + अरि = मध् व + अरि = मध्वरि शब्द निष्पन्न हुआ है।

124. 'स्तोः श्चुनाश्चुः' इति सूत्रस्योदाहरणं वर्तते—
(A) वागीशः (B) एतन्मुरारिः
(C) रामश्चिनोति (D) तल्लयः **[C]**
व्याख्या—यहाँ ''स्तोःश्चुनाश्चु'' सूत्र का उदाहरण ''रामश्चिनोति'' है। इसमें प्रस्तुत सूत्र से रामस् + चिनोति वर्णों में रामस् के स को च वर्ग परे होने पर शकार आदेश हुआ है।

125. 'सगुण् + ईशः' इत्यस्य सन्धिपदमस्ति—
(A) सुगणीशः (B) सगुनीशः
(C) सुगन्नीशः (D) सगुण्णीशः **[D]**
व्याख्या—यहाँ ''डमोह्रस्वादचि डमुण नित्यम्'' सूत्र से लघु स्वर के बाद ङ्, ण्, न् आने पर तथा उनके बाद कोई स्वर होने पर ङ्, ण्, न् को द्वित्व होने के कारण सगुण + ईश में ण् के बाद ई (स्वर) आया है, अतः ण् की द्वित्व होकर ''सुगण्णीशः'' शब्द निष्पन्न हुआ है।

प्रश्न : 10 शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) अंक : 20

126. निम्नलिखितेषु दृश्य-श्रव्य साधनमस्ति—
(निम्नलिखित में से दृश्य-श्रव्य साधन है।)
(A) पाठ्यपुस्तकम् (B) दूरदर्शनम्
(C) ग्रामोफोन (D) श्यामपट्टः **[B]**
व्याख्या—उपरोक्त में से दृश्य श्रव्य साधन दूरदर्शन है। दूरदर्शन का प्रयोग फिल्म, लघु फिल्म, बाल फिल्म, ड्रामा, फिल्म पट्टियाँ व स्लाइड आदि के क्षेत्र में किया जाता है। इसके माध्यम से संस्कृत व अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषाओं के समाचार छात्र सुन सकते हैं व शैक्षिक कार्यक्रम जैसे – इग्नू (IGNOU) आदि के कार्यक्रम छात्रों को घर बैठे पढ़ाने हेतु महत्त्वपूर्ण हैं।

127. संस्कृत-अध्यापकस्य अभिन्नं मित्रम् अस्ति—
(संस्कृत अध्यापक का अभिन्न मित्र है।)
(A) श्यामपट्टः (B) चार्टः
(C) चित्रं (D) मानचित्रं **[A]**
व्याख्या—श्यामपट्ट अध्यापक का सच्चा मित्र है। श्यामपट्ट एक सरस, सुंदर, सुलभ व टिकाऊ यंत्र है। इसके माध्यम से **चार्ट, चित्र, रेखाचित्र, कविता, मुख्य बिन्दु, अर्थ, पत्र, निबंध, डायग्राम** आदि सभी बिन्दु प्रभावशाली तरीके से समझाए जा सकते हैं।

128. मौखिकपरीक्षायाः भेदः नास्ति—
(मौखिक परीक्षा का भेद नहीं है।)
(A) शलाकापरीक्षा (B) शास्त्रार्थपरीक्षा
(C) वस्तुनिष्ठपरीक्षा (D) भाषणपरीक्षा **[C]**
व्याख्या—वस्तुनिष्ठ परीक्षा मौखिक परीक्षा का भेद नहीं है। यह लिखित परीक्षा का भेद है। मौखिक परीक्षा में **वाद-विवाद, भाषण, तर्क-वितर्क** आदि होते हैं। परन्तु लिखित परीक्षा में नहीं।
शलाका परीक्षा, शास्त्रार्थ परीक्षा, भाषण परीक्षा – ये तीनों मौखिक परीक्षा के भेद हैं।

129. निम्नलिखितेषु लिखितपरीक्षायाः प्रकारः वर्तते—
(निम्नलखित में परीक्षा का प्रकार है।)
(A) साक्षात्कारः (B) अन्त्याक्षरी
(C) निबन्धरूपपरीक्षा (D) शलाकापरीक्षा **[C]**
व्याख्या—उपरोक्त में से लिखित परीक्षा का प्रकार निबंधात्मक परीक्षा है।
निबंधात्मक परीक्षा–इस परीक्षा में प्रश्न वर्णनात्मक होते हैं। इसके माध्यम से बालक अपने विचार स्वतंत्रतापूर्वक लिख सकते हैं। यह बालकों के तर्क व विचारों की निर्णय क्षमता पर आधारित है। इसमें लम्बे उत्तर लिखने पड़ते हैं।

130. अधोलिखितेषु वस्तुनिष्ठपरीक्षायाः प्रकारः नास्ति—
(नीचे लिखे वस्तुनिष्ठ परीक्षा का प्रकार नहीं है।)
(A) बहुसमाधानप्रश्नाः (B) रिक्तस्थानपूरणम्
(C) सत्यासत्यनिर्णयः (D) लघूत्तरात्मकप्रश्नाः **[D]**
व्याख्या—उपरोक्त विकल्पों में 'लघूत्तरात्मक प्रश्न' वस्तुनिष्ठ परीक्षा का प्रकार नहीं हैं।
वस्तुनिष्ठ परीक्षा वैध एवं विश्वसनीय होती है। वस्तुनिष्ठ प्रश्न, सत्य-असत्य, मिलान, चुनाव, रिक्तस्थान पूर्ति या पूरक प्रश्नों पर आधारित होते हैं। इन प्रश्नों में व्यापकता, विभेदीकरण आदि गुण पाए जाते हैं तथा इनका मूल्यांकन करना सरल होता है।

131. 'सर्वे अध्यापकाः छात्रस्य व्यवहारम् आचरणम् अध्ययनञ्च परीक्ष्य स्व स्वाभिमतम् अङ्करूपेण लिखन्ति । छात्रः सर्वदा अध्यापकस्य निरीक्षणे भवति ।' अस्यां प्रक्रियायां छात्रस्य मूल्याङ्कनं भवति—
(सभी अध्यापक छात्र के व्यवहार एवं आचरण की तथा अध्ययन की परीक्षा करके अपना-अपना मत अंक के रूप में लिखते हैं। छात्र हमेशा अध्यापक के निरीक्षण में होता है। इस प्रक्रिया में छात्र का मूल्यांकन होता है।)
(A) सामयिकमूल्याङ्कनम् (B) वार्षिकमूल्याङ्कनम्
(C) सततमूल्याङ्कनम् (D) मौखिकमूल्याङ्कनम् **[C]**
व्याख्या—सतत मूल्यांकन में सभी अध्यापक छात्र के व्यवहार व आचरण की परीक्षा करके स्वयं का मत अंक रूप में लिखते हैं। छात्र हमेशा अध्यापक के निरीक्षण में रहता है। इस प्रक्रिया में छात्र का मूल्यांकन सतत मूल्यांकन होता है।

132. पद्य-पाठ योजनायां कीदृशाः प्रश्नाः न भवन्ति?
(पद्य की पाठ योजना में कैसे प्रश्न नहीं होते हैं?)
(A) सौन्दर्यानुभूतिः प्रश्नाः (B) केन्द्रीय भावस्य प्रश्नाः
(C) तुलनात्मक प्रश्नाः (D) विचारविश्लेषणात्मक प्रश्नाः **[D]**
व्याख्या—पद्य पाठ योजना में विचारविश्लेषणात्मक प्रश्न नहीं होते हैं। विचार विश्लेषणात्मक प्रश्न गद्य की पाठ योजना में होते हैं पद्य की पाठ योजना में कविता के केन्द्रीय भाव, सौन्दर्य (छन्द, अलंकार, रस) से संबंधित, तुलनात्मक, सम्भावी पद्य, आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

133. 'अव्याकृतिः' इति कस्य शिक्षणविधिः?
('अव्याकृतिः' यह किसकी शिक्षण विधि है?)
(A) व्याकरणस्य (B) आख्यायिकायाः
(C) रूपकस्य (D) काव्यस्य **[A]**
व्याख्या—**'अव्याकृति'** व्याकरण शिक्षण की विधि है।
इस विधि का दूसरा नाम **'भाषा संसर्ग विधि'** भी है। यह विधि कुशल अध्यापक द्वारा शुद्ध व्याकरण के नियमों के ज्ञान व शुद्ध भाषा के प्रयोग पर विशेष बल देती है।
यह प्राथमिक कक्षाओं हेतु ज्यादा उपयोगी है। इसमें व्याकरण की पुस्तकों के आधार पर व्याकरण पढ़ाई जाती है।

134. नवीनशिक्षणपद्धत्यां व्याकरणशिक्षणस्य सर्वाधिकरुचिकरो विधिः मन्यते।
(नवीन शिक्षण पद्धति में व्याकरण शिक्षण की सबसे ज्यादा रुचिकर विधि मानी जाती है।)
(A) पारायणम् (B) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्
(C) आगमन-निगमनम् (D) अर्थावबोधनम् **[C]**
व्याख्या—नवीन शिक्षण पद्धति के अनुसार **व्याकरण शिक्षण** की सर्वाधिक रुचिकर विधि **आगमन-निगमन** है।
आगमन विधि में उदाहरण से नियम की ओर तथा निगमन विधि में नियम से उदाहरण की ओर कार्य किया जाता है।

135. 'दण्डान्वयविधौ' दण्डः कस्य सूचकः?
(दण्डान्वय विधि में दण्ड किसका सूचक है?)
(A) शब्दस्य (B) अर्थस्य
(C) लगुडस्य (D) वाक्यस्य **[D]**
व्याख्या—'दण्डान्वय विधि' में दण्ड **'वाक्य'** का सूचक है।
दण्डान्वय विधि में श्लोक के अर्थ को मातृभाषा में अच्छी तरह से समझने के लिए श्लोक या पद्यांश के मुख्य वाक्य को ढूँढ़ना व उसके अनुसार, कर्ता, कर्म, क्रिया आदि का पता लगाना आवश्यक है। इसे ही 'दण्डान्वय' कहते हैं। श्लोक का अन्वय कर लेने से उसका भावार्थ समझने में सरलता होती है।

प्रश्न : 10 शैक्षणिक मनोविज्ञान अंक : 20

136. निम्न में से कौनसा कथन बुद्धि के बारे में सत्य नहीं है?
(A) यह एक व्यक्ति की मानसिक क्षमता है।
(B) यह सामंजस्य/अनुकूल स्थापित करने में सक्षम है।
(C) यह व्यवहार की गुणवत्ता से आंकी जाती है।
(D) यह स्थाई एवं अपरिवर्तनशील विशेषता है। **[D]**
व्याख्या—टरमन के अनुसार, ''बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।'' बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है। इस प्रकार बुद्धि सामाजिक तथा वैयक्तिक परिवेश में अंत: क्रियात्मक गतिशीलता तथा क्षमता का नाम है।

137. थॉमसन द्वारा बुद्धि का कौनसा सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है?
(A) क्रमिक महत्व का सिद्धांत (B) प्रतिदर्श सिद्धांत
(C) त्रिआयामी सिद्धांत (D) द्विकारक सिद्धांत **[B]**
व्याख्या—थॉमसन द्वारा बुद्धि के प्रतिदर्श सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया। इस सिद्धांत के अनुसार एक ही समूह की योग्यताओं में परस्पर समानता पाई जाती है। किंतु दूसरे समूह की योग्यताओं से उसका कोई संबंध नहीं होता है।

138. बालकों की सोच अमूर्तता की अपेक्षा मूर्त अनुभवों एवं प्रत्ययों से होती है। यह अवस्था है—
(A) 7 से 12 वर्ष तक की (B) 12 से वयस्क तक की
(C) 2 से 7 वर्ष तक की (D) जन्म से 2 वर्ष तक की **[A]**
व्याख्या—जीन पियाजे ने इसे पूर्व संक्रिया अवस्था कहा है। 7 से 12 वर्ष के मध्य बाल्यावस्था पाई जाती है। इस अवस्था में बालक ठोस वस्तुओं के बारे में तर्क करने लगते हैं। वे वस्तुओं में कारण संबंध स्थापित करने लगते हैं।

139. व्यक्तित्व मापक की प्रसेपण विधियाँ नीचे दिए गए किस सिद्धांत से संबंधित है?
(A) मानवतावादी (B) मनोवैश्लेषिक
(C) व्यवहारवादी (D) संज्ञानात्मक **[B]**
व्याख्या—व्यक्तित्व परीक्षण को मापने के लिए प्रक्षेपण परीक्षण अति महत्वपूर्ण है। जो प्रक्षेपण प्राक्कल्पना पर आधारित है। इसमें व्यक्ति के सामने असंरचित कार्य दिया जाता है जिसे देखकर व्यक्ति असीमित प्रकार की अनुक्रियाएँ कर सकता है। प्रक्षेपण विधियाँ मनोवैश्लेषिक सिद्धांत पर आधारित होती हैं।

140. 'Big Five' का सिद्धांत किसने दिया है?
(A) मैकक्रे एवं क्रोस्टा (B) आलपोर्ट
(C) आइजेंक (D) स्प्रैंगर **[B]**
व्याख्या—मैकक्रे एवं क्रोस्टा ने 'बिग फाइव' सिद्धांत दिया है। इसमें इन्होंने पाँच प्रमुख शीलगुणों का व्यक्तित्व का वर्णन किया है।

141. वैयक्तिक विभिन्नता होती है—
(A) व्यक्तिगत (B) शारीरिक
(C) बौद्धिक (D) उपर्युक्त सभी **[D]**
व्याख्या—वैयक्तिक विभिन्नता में व्यक्तियों में पाए जाने वाले शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक गुणों को शामिल किया जाता है।

142. निम्न में से कौन प्रयास व त्रुटि सिद्धांत के जनक हैं—
(A) स्किनर (B) थॉर्नडाइक
(C) फ्रोबेल (D) फ्रायड **[B]**
व्याख्या—प्रयास व त्रुटि का सिद्धांत जिसे उद्दीपन अनुक्रिया का सिद्धांत भी कहा जाता है, थॉर्नडाइक द्वारा 1913 में दिया गया था। इस सिद्धांत में व्यक्ति प्रयास व त्रुटि के माध्यम से सीखता है। जैसे-जैसे प्रयास करता है वैसे-वैसे त्रुटि कम होती जाती है और एक समय आता है जब त्रुटि शून्य हो जाती है और सीखने की प्रक्रिया पूर्ण होती है।

143. निम्न में से कौनसा नकारात्मक अभिप्रेरणा का उदाहरण है—
(A) आवश्यकताएँ (B) अंतर्नोद
(C) प्रशंसा (D) प्रोत्साहन **[C]**

व्याख्या—बाह्य अभिप्रेरणा को नकारात्मक अभिप्रेरणा भी कहा जाता है। जब बालक बाह्य प्रभाव से कोई कार्य करता है तो वह नकारात्मक अभिप्रेरकों से प्रेरित होता है। पुरस्कार, दंड, निंदा, प्रशंसा, प्रतिद्वंद्विता की भावना आदि इसके उदाहरण हैं।

144. निम्न में से किस अवस्था को शैशवावस्था की पुनरावृत्ति कहा जाता है?

(A) किशोरावस्था (B) युवावस्था
(C) बाल्यावस्था (D) सन्यास अवस्था **[A]**

व्याख्या—किशोरावस्था को शैशवावस्था की पुनरावृत्ति कहा जाता है।

145. व्यक्तिगत विभिन्नताओं का प्रमुख कारण है—

(A) परिवार (B) समाज
(C) विद्यालय (D) वंशानुक्रम **[D]**

व्याख्या—बालकों में पाई जाने वाली व्यक्तिगत विभिन्नताओं का सर्वप्रमुख कारण वंशानुक्रम होता है।

प्रश्न : 05 सूचना तकनीकी अंक : 10

146. एक ऑपरेटिंग सिस्टम एक व्यक्ति को प्रतीकों, आइकन, विजुअल मेटाफर और पॉइंटिंग डिवाइसों के उपयोग के माध्यम से कंप्यूटर के साथ संवाद करने में सक्षम बनाता है। यह निम्नलिखित में से किस रूप में वर्गीकृत किया जाएगा—

(A) Graphical User Interface
(B) Line Command Interface
(C) Black User Interface
(D) Tap User Interface **[A]**

व्याख्या—यूजर कम्प्यूटर से संवाद स्थापित करने हेतु इन्टरफेस का प्रयोग करता है। इन्टरफेस दो प्रकार के होते हैं—

(i) GUI (ii) CUI

GUI का पूरा नाम **ग्राफिकल यूजर इंटरफेस** है। इस प्रकार के O.S. का प्रयोग करने में यूजर को आसानी रहती है।

इस प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम में समस्त कार्य (task) एवं निर्देश ग्राफिकल अथवा चित्रात्मक रूप में पूरे किए जाते हैं जिन्हें प्रयोक्ता आसानी से उपयोग में ले सकता है, इसलिए ही **GUI OS यूजर फ्रैण्डली** होते हैं।

Graphical User Interface के माध्यम से ऑपरेटिंग सिस्टम एक व्यक्ति को प्रतीकों, आइकन, विजुअल मेटाफर और पॉइंटिंग डिवाइसों के उपयोग के माध्यम से कम्प्यूटर के साथ संवाद (Communicate) करने में सक्षम बनाता है।

147. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम का कौनसा सेक्शन कम्प्यूटर सिस्टम की हैंकिंग करने पर दण्ड का प्रावधान करता है—

(A) सेक्शन 65 (B) सेक्शन 66
(C) सेक्शन 62 (D) सेक्शन 67 **[B]**

व्याख्या—सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम कम्प्यूटर में डाटा से छेड़छाड़ एवं विभिन्न साइबर अपराधों आदि को रोकने हेतु 17 अक्टूबर, 2000 को लागू है, जिसे 2008 में संशोधित किया गया।

IT Act के सेक्शन—

66- हैकिंग को रोकने हेतु।

66F- साइबर अपराध को रोकने हेतु प्रयुक्त होते हैं।

148. राजस्थान में सूचना प्रौद्योगिकी के पूर्णरूपेण विकासक्रम का श्रेय किस विभाग को जाता है—

(A) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
(B) आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग
(C) सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
(D) सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग **[D]**

व्याख्या—सूचना एवं प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध ऑनलाइन सम्बन्धी कार्यों को सीखने से है।

राजस्थान में सूचना एवं प्रौद्योगिकी के कार्य **सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग** करता है।

149. सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में 'ई गवर्नेंस' केन्द्र की स्थापना कब की गई?

(A) 26 जनवरी, 2000 (B) 30 अगस्त, 2001
(C) 2 अप्रैल, 2002 (D) 15 अगस्त, 2000 **[D]**

व्याख्या—भारत में ई-गवर्नेंस केन्द्र की स्थापना 15 अगस्त 2000 को हुई।

नोटः—ई-गवर्नेंस वर्ष के रूप में **2001** को माना गया है।

150. ROM का पूर्ण स्वरूप क्या है—

(A) रैंडम ओरिजिन मनी (B) रैंडम ओनली मेमोरी
(C) रीड ओनली मेमोरी (D) रैंडम ओवरफ्लो मेमोरी **[C]**

व्याख्या—**ROM**—यह प्राथमिक मेमोरी का ही एक प्रकार है जिसका पूर्ण रूप **Read Only Memory** है।

ROM कम्प्यूटर में मदरबोर्ड पर स्थित **सिलिकॉन** की चिप है, जिसमें **निर्माण के समय ही डाटा एवं निर्देश स्टोर** (Store) कर दिये जाते हैं एवं इन डाटा एवं निर्देशों को प्रयोक्ता (user) केवल पढ़ सकता है, बदल नहीं सकता। ROM के प्रकार - PROM, EPROM, EEPROM है।

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

☯ **Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-1** 1

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 1
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय.....5
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 7
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 13
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 14
- ❖ सूचना तकनीकी 15

☯ **Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-2** 16

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 16
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय..... 20
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 22
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 27
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 28
- ❖ सूचना तकनीकी 29

☯ **Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-3** 30

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 30
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय..... 33
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 36
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 42
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 43
- ❖ सूचना तकनीकी 44

☯ **Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-4** 45

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 45
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय..... 49
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 51
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 56
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 57
- ❖ सूचना तकनीकी 58

☯ **Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-5** 59

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 59
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय..... 63
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 66
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 71
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 72
- ❖ सूचना तकनीकी 73

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-6 74

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 74
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 78
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 80
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 86
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 87
- ❖ सूचना तकनीकी 88

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-7 89

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 89
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 93
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 96
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 101
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 102
- ❖ सूचना तकनीकी 103

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-8 104

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 104
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 108
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 111
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 117
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 118
- ❖ सूचना तकनीकी 119

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-9 120

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 120
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 124
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 127
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 133
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 134
- ❖ सूचना तकनीकी 135

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-10 136

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 136
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 140
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 143
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 148
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 149
- ❖ सूचना तकनीकी 150

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-11 151

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 151
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 155
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 158
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 163
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 164
- ❖ सूचना तकनीकी 165

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-12 166

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 166
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 170
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 172
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 177
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 178
- ❖ सूचना तकनीकी 179

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-13 180

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 180
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 184
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 187
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 192
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 193
- ❖ सूचना तकनीकी 194

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-14 195

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 195
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 199
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 202
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 207
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 208
- ❖ सूचना तकनीकी 209

☯ Grade-3rd अध्यापक • लेवल-द्वितीय • संस्कृत • प्रैक्टिस पेपर-15 210

- ❖ राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान एवं राजस्थानी भाषा 210
- ❖ राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय 214
- ❖ विद्यालय विषय (संस्कृत) 217
- ❖ शैक्षणिक रीति विज्ञान (संस्कृत) 222
- ❖ शैक्षणिक मनोविज्ञान 223
- ❖ सूचना तकनीकी 224

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

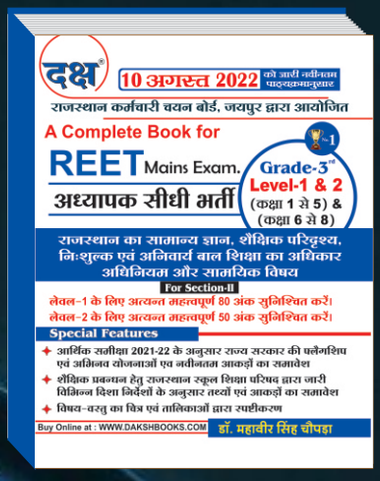

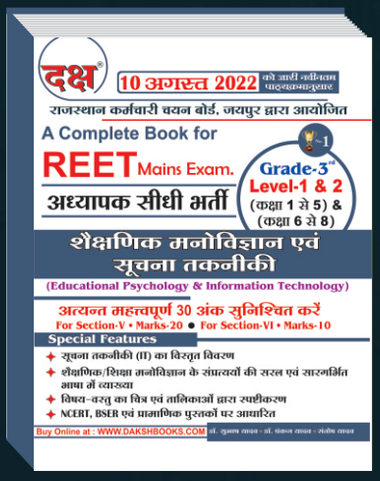

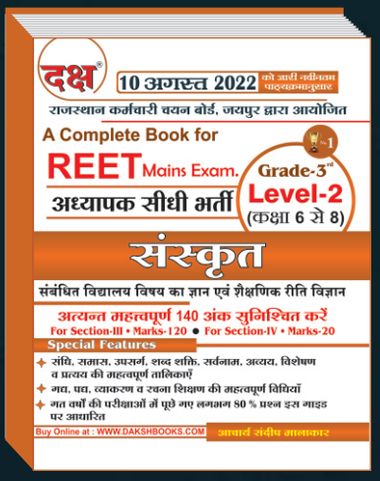

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)

फोन नं. 0141-2604302

Code No. D-665 | ₹ 440/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु

WWW.DAKSHBOOKS.COM

पर ORDER करें

★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★